चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 208 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 जनवरी 2025
बुधवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

इंटरेक्टिव सेशन में नामी उद्योगपति शामिल, अब तक 4 लाख करोड़ के प्रस्ताव

मप्र में पुणे के रास्ते आ रहा नया निवेश शीर्ष उद्योगपतियों के समक्ष ब्रांडिंग

भोपाल.दोपहर मेट्रो

औद्योगिक मिशन के जरिये नए रोजगार व समृद्धि के ख्वाब संजो रही सरकार आज महाराष्ट्र के पुणे में अपनी नीतियों और खूबियों की ब्रांडिंग के लिये पहुंची है। मुख्यमंत्री मोहन यादव दर्जनभर सीनियर आफिसर्स के साथ पुणे के कार्लटन होटल में नामचीन उद्योगपतियो से रूबरू हो रहे हैं। इसे इंटरेक्टिव सेशन नाम दिया गया है। अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि मुंबई, कोलकाता, बैंगलोर और कोयंबटूर में ऐसे आयोजनों से मिला प्रतिसाद आज के आयोजन की वजह है। इसीलिये मुख्यमंत्री प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों, निवेशकों के साथ सीधा संवाद कर रहे हैं। पुणे इंटरेक्टिव सेशन में उद्योग जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हैं। इनमें किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के चेयरमैन संजय किर्लोस्कर विशेष अतिथि हैं। जबकि पिनेकल इंडस्ट्रीज के चेयरमैन सुधीर मेहता नेटवर्किंग डिनर की मेजबानी करेंगे। फोर्स मोटर्स के चेयरमैन डॉ. अभय फिरोदिया और ब्रिजस्टोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर हिरोशी योशिजाना भी इस सत्र में अपने अनुभव और सुझाव साझा कर रहे हैं।

फाइल फोटो

इन सेक्टर्स पर निवेश की उम्मीद: मप्र सरकार को इस सत्र में फिनटेक, आईटी, आईटीईएस, एग्रीटेक, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मा, स्वास्थ्य सेवाओं, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन, कौशल विकास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में निवेश आने की उम्मीद है और इनके लिये मप्र की उपयुक्त नीतियों तथा क्षेत्रों के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने निवेश के लिये ही हाल में कुछ देशों की यात्रा की है और वे जल्द जापान भी रवाना होने वाले हैं। मध्यप्रदेश को निवेश-अनुकूल नीतियों, उत्कृष्ट बुनियादी ढाँचे और कुशल मानव संसाधन के माध्यम से निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने का लक्ष्य बनाने के बाद सरकार के पास अब तक 4 लाख करोड़ से अधिक के नए निवेश प्रस्ताव आए हैं।

महेश्वर से कुछ और बड़ी सौगात देने की तैयारी

उधर मप्र के महेश्वर से 24 जनवरी को कैबिनेट बैठक कर मोहन सरकार प्रदेश की जनता को महिला शक्ति मिशन के अलावा अन्य सौगात देने की तैयारी में है। ये सौगातें लोक परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों में मिल सकती है। सीएम के निर्देश पर सीएस अनुराग जैन और उनकी टीम इस काम में जुटी है। इन अधिकारियों ने कई अलग—अलग दौर की चर्चा पूरी कर ली है और सैध्दांतिक तौर पर निर्णय भी लिये जा चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार लोक परिवहन नीति ला सकती है। धार्मिक नगरों से आगे बढ़कर कुछ और क्षेत्रों में चरणबध्द शराबबंदी पर विचार कर सकती है। महिला सशक्तिकरण मिशन का खाका तो लगभग तैयार ही है। बताया जाता है कि महेश्वर में कुटीर एवं ग्रामोद्योग को नई दिशा अहिल्याबाई होल्कर के जमाने से मिली थी लिहाजा सरकार महेश्वर को नया औद्योगिक हब के रूप में पहचान दिलाने के जतन कर रही है। इसीलिये सरकार महेश्वर कैबिनेट बैठक को देवी अहिल्या बाई होल्कर को समर्पित कर रही है।

कांप रहे पहाड़ी इलाके, मप्र में अभी तीन दिन सर्दी से राहत, फिर ठंड

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी

देश के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में लगातार तीसरे दिन बर्फबारी हुई है। हिमाचल के हंसा में 2.5 सेमी, जबकि काजा सहित अन्य इलाकों में भी 5 से 6 सेमी बर्फबारी हुई। यहां आज भी बर्फबारी है। कुकमसेरी में रात का तापमान -5.6 डिग्री दर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, सोनमर्ग, जोजिला पास जैसे ऊंचे इलाकों में मंगलवार को हुई बर्फबारी के कारण गुरेज-बांदीपुरा रोड, सेमथान-किश्तवाड़, मुगल रोड बंद हो गए।

इधर मैदानी मप्र में सर्दी से राहत मिली है तेज धूप से लोगों ने राहत की सांस ली है लेकिन तीन दिन बाद फिर सर्दी लौटने के आसार हैं। अभी मप्र व उप्र समेत 12 राज्यों के कुछ हिस्से में कोहरे का अलर्ट है। मौसम विभाग ने कहा कि मध्यप्रदेश में हवा का रुख बदलने से दिन में तापमान बढ़ रहा है, लेकिन रात की ठंड बरकरार रहेगी। भोपाल, मंडला, पचमढ़ी, राजगढ़, उमरिया, नौगांव जैसे शहरों में पारा 10ए से नीचे ही चल रहा है। ग्वालियर-चंबल में हल्की बारिश हो सकती है।

राजधानी में दर्दनाक हादसा कार खंभे से टकराई, दो मौत

भोपाल दोपहर मेट्रो। हलालपुर बस स्टैंड के पास तेज रफ्तार आल्टो कार बीती रात दो बजे बिजली के पोल और दीवार में जा घुसी। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत गई, जबकि गर्भवती महिला समेत तीन लोगों को गंभीर चोट है। तीनों का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। तीनों की हालत नाजुक बताई जाती है। बताया जाता है कि परिवार के लोग गर्भवती महिला को हमीदिया अस्पताल से बैरागढ़ स्थित निजी अस्पताल ले जा रहे थे। थाना प्रभारी बृजेंद्र मर्सकोले के मुताबिक 26 साल के महेंद्र मेवाड़ा, मूडला रातीबढ़ में खेती किसानी करते थे। बीती रात उनकी गर्भवती पत्नी को लेबर पेन हुआ और वह आल्टो कार से अपने साढ़ू भाई सतीश मेवाड़ा और मां-बुआ सहित पत्नी को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे। यहां से वह पत्नी को कार से बैरागढ़ स्थित निजी अस्पताल के लिये निकले, तो उनकी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पोल और दीवार में जा घुसी। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ था। लिहाजा दोनों को गंभीर चोट थी। हादसे के बाद सभी को कार से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, वहां डॉक्टर ने महेंद्र और सतीश मेवाड़ा को मृत घोषित कर दिया।

सैफ का हमलावर कौन, पुलिस को दोबारा रिक्रिएट करना पड़ा क्राइम सीन

जांच अफसर को भी बदला

मुंबई, एजेंसी

अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में पुलिस अभी भी अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाल पा रही है। लिहाजा मुंबई पुलिस ने बीती रात फिर से क्राइम सीन रीक्रिएट किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस आरोपी शरीफुल इस्लाम को सैफ के घर से करीब 500 मीटर दूर ले गई। यहां करीब 5 मिनट रुकने के बाद पुलिस आरोपी को लेकर वापस पुलिस स्टेशन आ गई। इससे पहले सोमवाव व मंगलवार की दरम्यानी रात भी क्राइम सीन रीक्रिएट किया गया था। शरीफुल को ठीक उसी तरह से एक बैग पैक भी पहनाया गया जैसा उसने घटना के समय पहना था। यह भी कहा जा रहा है कि पुलिस ने जिसे अरेस्ट किया है उसका हुलिया उस व्यक्ति से नहीं मिलता जिसे सीसीटीवी कैमरे में देखा गया है। आरोपी बाथरूम की खिड़की से ही सैफ के घर में घुसा था और हमले के बाद यहीं से बाहर भी निकला। सैफ-करीना के बेटे जेह उर्फ जहांगीर के कमरे से आरोपी की टोपी मिली है। टोपी में मिले बाल को डीएनए टेस्ट के लिए स्कूल ऑफ मेडिसिन में भेजा गया है। पुलिस ने जिस आरोपी शरीफुल को गिरफ्तार किया वह बांग्लादेश में कुश्ती खिलाड़ी था और 5 दिन की पुलिस रिमांड पर है। उधर, मामले की जांच कर रहे इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर सुदर्शन गायकवाड़ को बदलकर ये केस अजय लिंगनुरकर को सौंप दिया गया है। ऐसा क्यों किया गया है, इसे लेकर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है।

महाराष्ट्र में फिर उभरी खटपट

फैसले पलटने से नाराज हुए शिंदे

दिल्ली में भाजपा को समर्थन का ऐलान

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत के बाद भी दावा किया जाने लगा है कि सत्तारूढ़ गठबंधन में 'ऑल इल नॉट वेल' की स्थिति फिर बन रही है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के पहले तो प्रभारी मंत्री के मुद्दे पर नाराज होने की बातें सामने आई थीं। अब विवाद शिवसेना बनाम एनसीपी (अजित पवार) भी हो चला है। सूत्रों का कहना है कि सीएम देवेंद्र फडणवीस द्वारा पिछली एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा लिए गए फैसलों को रद्द करने के कदम से महायुति गठबंधन के सहयोगी भाजपा और शिवसेना के बीच संबंधों में तनाव आ गया है। फडणवीस ने टेंडर प्रक्रिया में मानदंडों के संदिग्ध उल्लंघन के कारण परिवहन विभाग द्वारा 1310 सार्वजनिक परिवहन बसों को निजी खिलाड़ियों से किराए पर लेने के 2000 करोड़ रुपये के फैसले की जांच के आदेश दिए थे।

वहीं शिवसेना ने निर्णय लिया है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में वह उम्मीदवार नहीं उतारेगी बल्कि बीजेपी का समर्थन करेंगी। शिवसेना ने यह फैसला बीजेपी के वोटों का विभाजन रोकने के लिए लिया है।

शिंदे ने कहा कि दिल्ली को एक भ्रष्टाचार मुक्त और कुशल सरकार की आवश्यकता है। ज्ञात हो कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में शिवसेना परंपरागत रूप से अपने उम्मीदवार उतारती रही है।

पूरी योगी सरकार महाकुंभ में

प्रयागराज, एजेंसी

अलर्ट पर पुलिस

आज महाकुंभ में यूपी कैबिनेट की बैठक के चलते भारी गहमागहमी है। चूंकि पूरी सरकार महाकुंभ में हैं। ऐसे में सुरक्षा बड़ा दी गई है। सभी हॉस्पिटल को अलर्ट पर रखा गया है। डॉक्टरों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। डॉक्टरों से कहा गया है कि 48 घंटे मेला क्षेत्र में ही रहें। बैठक के बाद योगी और 54 मंत्री अरैल घाट से मोटर बोट के जरिए संगम जाएंगे और गंगा में डुबकी लगाएंगे।कैबिनेट मीटिंग में 12 से ज्यादा प्रस्तावों को मंजूरी मिलेगी। इसमें 40 लाख छात्रों को स्मार्टफोन और टैबलेट देने के प्रस्ताव को भी मंजूरीशामिल है। कैबिनेट बैठक से पहले सुबह यूपी के ष्ठत्रक्कप्रशांत कुमार ने संगम में स्नान किया। इसके बाद खुद मोटर बोट चलाई। घाटों पर सुरक्षा-व्यवस्था देखी।

ट्रंप के आदेशों के बाद अमेरिका में हलचल तेज, मोर्चे पर सेना

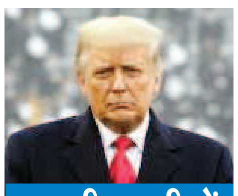

प्रवासी भारतीयों पर भी संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कोस्ट गार्ड नवागत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेशों पर तामील तेजी से करने लगे हैं। अवैध प्रवासियों की एंट्री को लेकर ट्रंप के आदेश के बाद कोस्ट गार्ड ने चुनिंदा सीमाओं पर नौसैनिकों की तैनाती करना शुरू कर दी है। ताकि देश में अलग-अलग सीमाओं से दाखिल हो रहे अवैध प्रवासियों को रोका जा सके। दक्षिणी अमेरिका की फ्लोरिडा सीमा पर भी यह तैनाती बढ़ेगी और हैती व क्यूबा से अवैध प्रवासियों को आने से रोका जाएगा। कोस्ट गार्ड का कहना है कि होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट और डिफेंस विभाग के साथ मिलकर अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन्हें डिपोर्ट करने से लेकर ड्रग्स तस्करी और अन्य अपराधों पर अंकुश लगाने पर फोकस रहेगा। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पद संभालते ही जो बाइडेन के 78 फैसले पलट दिए हैं। वहीं एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका में रह रहे 18 हजार अवैध भारतीय प्रवासी वहां से निकाले जाएंगे।

मेट्रो एंकर

दावोस में देश की वैश्विक अहमियत रेखांकित करने वाली रिपोर्ट

९० फीसद सीईओ को भारत की आर्थिक ताकत पर भरोसा

दावोस, एजेंसी

भारत के हर 10 में से नौ सीईओ को देश की आर्थिक ताकत पर पूरा भरोसा है और वे आने वाले वर्षों में अपने कारोबार को विस्तार देने की योजना बना रहे हैं। दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में ऐसी कई जानकारियां उभरी हैं। पीडब्ल्यूसी की तरफ से जारी एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, देश की आर्थिक वृद्धि के प्रति आश्वस्त 87 फीसदी सीईओ अपना कामकाज बढ़ाने में मदद के लिए लगातार एआई प्रौद्योगिकी अपनाना जारी रखेंगे साथ ही कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाएंगे। यह भी कहा गया कि महिलाओं का स्वस्थ होना मजबूत अर्थव्यवस्था का आधार है। अगर महिला स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने पर ध्यान दिया जाए तो 2040 तक वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में सालाना 400 अरब डालर इजाफा होगा। पीडब्ल्यूसी के 28वें वार्षिक वैश्विक सीईओ सर्वेक्षण में बताया गया कि वैश्विक नवाचार, स्थिरता और आर्थिक

विकास को आगे बढ़ाने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। सर्वेक्षण में 109 देशों के 4,700 से अधिक सीईओ से राय ली गई जिसमें 75 भारत के हैं।

यह सर्वेक्षण बताता है कि 87फीसद भारतीय सीईओ देश की आर्थिक संभावनाओं को लेकर आशावादी हैं, जो वैश्विक औसत 57 प्रतिशत से कहीं ज्यादा है। सर्वे के मुताबिक, 74 फीसद भारतीय सीईओ अगले तीन वर्षों में अपनी कंपनियों की राजस्व वृद्धि पर पूर्णतः आश्वस्त है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने की वकालत करते हुए कहा है, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र के लिए अपार संभावनाएं हैं। पासवान ने कहा कि यह बात किसी से छिपी नहीं है कि दुनियाभर में भारतीय खाने को कितना पसंद किया जाता है। सदियों से भारतीय मसाले हर जगह प्रसिद्ध हैं। जबकि केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि भारतीय नेतृत्व की भूमिका सहित हर जगह अपनी क्षमता साबित करते हैं।

बुनियादी ढांचा सुधरा : राजन

अमेरिकी डॉलर पर आयोजित एक सत्र में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भारत में बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर बहुत अच्छा काम करने के लिए मोदी सरकार की सराहना की। वह बोले, मोदी सरकार ने बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर बहुत अच्छा काम किया है लेकिन उपभोग को बढ़ावा देने के लिए रोजगार बाजार पर ध्यान देने की जरूरत है।

जीजी फ्लाईओवर आखिरकार तैयार, कल खत्म होगा इंतजार

लंबे समय से राहगीर भुगत रहे हैं परेशानियां

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर के सबसे लंबे जीजी यानि गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक फ्लाई ओवर का काम पूरा हो गया है और यह कल से आम जनता के लिये खुल भी रहा है। करीब तीन किमी लंबा यह ब्रिज 121 करोड़ रुपए की लागत से बना है। इसकी थर्ड आर्म यानी, तीसरी भुजा और सर्विस लेन भी पूरी हो गई है। इस ब्रिज का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री नितिन ग?करी से कराने की कोशिशें भी होती रही हैं। कल मुख्यमंत्री मोहन यादव इसे जनता के लिये लोकार्पित कर रहे हैं। इससे पहले ब्रिज की ओपनिंग तीन जनवरी को होने की उम्मीद थी, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से कार्यक्रम टाल दिया गया था। यह भोपाल का सबसे लंबा ब्रिज है। इसकी लंबाई 2734 मीटर यानी, करीब पौने 3 किमी है। इसका काम दिसंबर 2020 में शुरू हुआ था। जिसे 2 साल में बन जाना था। लेकिन इसे बनने में 4 साल लगे। पहले 26 दिसंबर को ब्रिज की ओपनिंग करने की बात सामने आई थी, लेकिन थर्ड आर्म नहीं बनने की वजह से ट्रैफिक शुरू नहीं हो सका था।

अभी मुख्य रास्ते से 3 किमी की दूरी तय करने में करीब 30 मिनट तक लग जाते हैं। दिन में भी ट्रैफिक का दबाव रहता है। इस फ्लाई ओवर के पास ही मेट्रो का काम भी चल रहा है। इस कारण भी जाम की स्थिति बनती है। फ्लाई ओवर बनने के बाद ये दूरी महज 5 मिनट में पार की जा सकेगी। ई ओवर दो हिस्सों में बना है। इसमें 2534 मीटर की मुख्य लेन है, जबकि 200 मीटर का थर्ड लेग है। थर्ड लेग यानी गायत्री मंदिर के पास का आखिरी छोर, जहां से फ्लाई ओवर का ट्रैफिक दो भागों में बंटेगा। यहां काम पूरा हो गया है। गुरुवार को लाइट की टेस्टिंग भी की गई। ब्रिज का रंगरोगन भी अंतिम दौर में है।

एमपी नगर होगा जाम मुक्त !

15 मीटर चौड़े इस फ्लाईओवर से एमपी नगर आने वाला 60 फीसद ट्रैफिक गुजर जाएगा। जिससे केवल पांच मिनट में पौने तीन किमी की दूरी तय हो सकेगी। ट्रैफिक एक्सपर्ट की माने तो पिक अवर्स यानी सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और शाम 5 से रात 8 बजे के बीच एमपी नगर रोड का पैसेंजर कार यूनिट (पीसीयू) 10 हजार तक है। इनमें से 60 प्रतिशत वाहन ऐसे होते हैं, जिन्हें एमपी नगर में दाखिल ही नहीं होना होता है। ये ट्रैफिक सरकारी दफ्तरों, चेतक ब्रिज, रानी कमलापति स्टेशन, रचना नगर या मानसरोवर की ओर जाता है। फ्लाईओवर न होने से ये वाहन एमपी नगर में ट्रैफिक जाम का कारण बनते हैं। पुराने भोपाल, एयरपोर्ट की ओर जाने वाले लोग जाम में फंसे बिना ही गुजर जाएंगे।

लोड, लाइटिंग टेस्ट पूरे

पीडब्ल्यूडी के अफसरों के मुताबिक, गणेश मंदिर से वल्लभ भवन चौराहा की ओर आने वाली पहली और दूसरी आर्म का काम पूरा हो चुका है। इस रूट पर लोड टेस्ट भी हो चुका है। फिर भी ट्रैफिक का संचालन शुरू होने पर लोगों को कोई परेशानी न आए, इसलिए यहां कुछ बदलाव किए जा रहे हैं। मैनिट एक्सपर्ट्स से मिली सलाह के बाद पीडब्ल्यूडी के अफसरों ने ये बदलाव किए हैं।

23-24 जनवरी को बंद रहेगा मिसरोद फाटक

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भोपाल मंडल के मिसरोद रेलवे स्टेशन के यार्ड में स्थित रेलवे फाटक (मिसरोद रेलवे क्रॉसिंग) पर ट्रैक अनुरक्षण (टीआरआर) कार्य किया जाना है। यह फाटक 23 और 24 जनवरी को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक सड़क यातायात के लिए पूर्णतः बंद रहेगा। रेलवे ने वैकल्पिक मार्ग के रूप में मिसरोद गांव के अंडर ब्रिज और बावड़िया कलां के लाइओवर का उपयोग करने की सलाह दी है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने कहा कि वाहन चालकों से अनुरोध करते हैं कि इस दौरान वह वैकल्पिक मार्ग के रूप में मिसरोद गांव के अंडर ब्रिज और बावड़िया कलां के लाइओवर का इस्तेमाल करें।

स्कूल स्तर पर कॉपियों की जांच, रिजल्ट के आधार पर लगेगी एक्स्ट्रा क्लास

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी सहित प्रदेश में दसवीं और बारहवीं की प्री बोर्ड परीक्षा गुरुवार से शुरू हो गई। इसके रिजल्ट के आधार पर विद्यार्थियों का वैल्यूशन होगा। जिनका रिजल्ट कमजोर उनकी एक्स्ट्रा क्लासेस लगेगी। करीब एक माह तक स्पेशल क्लासेस होगी। प्री बोर्ड परीक्षा के माध्यम से कम दिनों में ज्यादा तैयारी कराई जा रही है। गुरुवार को विद्यार्थियों ने हिंदी का प्रश्नपत्र हल किया। परीक्षा सुबह 11 बजे शुरू हुई। 24 जनवरी तक परीक्षा का आयोजन होगा। राजधानी में 56 स्कूलों में परीक्षा कराई गई। जारी टाइम टेबिल के मुताबिक दो प्रश्नपत्रों के बीच कोई गेप नहीं है। परीक्षा खत्म होने के तुरंत बाद रिजल्ट जारी होंगे। जिसके आधार पर एक्स्ट्रा क्लासेस लगाई जाएगी।

विद्या सागर स्कूल में कई खेल प्रतियोगिताएं हुई

हिरदाराम नगर. विद्यासागर पब्लिक स्कूल, राधीबाई हासोमल ख्यांतानी फाउंडेशन स्कूल, तथा अर्जन हाथीरामानी प्ले स्कूल में मंगवालवार को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यासागर पब्लिक स्कूल के निर्देशक भगवान दामानी एवं प्रबंधन सदस्य मनोहर वासवानी ने परंपरागत तरीके से किया। विद्यार्थियों ने बटरफ्लाई रेस, हॉपिंग, हुलाहूप रेस, केरेट एंड बन्नी रेस एवं साधारण रेस में हिस्सा लिया। कलेक्ट द बॉल्स, स्टेकिंग रेस, हर्डल रेस,हूप हसल प्रतियोगिता भी हुई। प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार विजेताओं को 26 जनवरी पुरस्कृत किया जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, अखंड श्रीराम चरित मानस शुरू

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सैनिक कॉलोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर में श्री हनुमान महाराज और श्रीराम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव के पांचवें दिन मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार से आवाहित देवता पूजन, श्री हनुमंत आचार्य सहस्त्र पदार्थों द्वारा महाआहुति का विधान कराया गया।

वेदाचार्य पंडित अनिल रूद्र महाराज, कार्यक्रम के ब्रम्हा हरिशंकर तिवारी, उज्जैन महाकाल से आचार्य चेतन्य स्वरूप महाराज, पंडित मिथुन शर्मा, पंडित जीवन प्रसाद तिवारी, पंडित दीपक मिश्रा ने पांचवें दिन के विधान सम्पन्न कराए। पुर्णाहुति के बाद अखंड रामचरित मानस का पाठक कथा व्यास राम मोहन शास्त्री के सानिध्य में प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर यजमान विष्णु विश्वकर्मा ने कार्यक्रम के समस्त आचार्यो को तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि 22 जनवरी को भण्डारा और 23 जनवरी को कीर्तन के बाद आयोजन का समापन किया जाएगा।

मनमानी पार्किंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मंत्रालय के पास नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियां।

मिठी में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

हिरदाराम नगर. मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया, जिसमें हर छात्र की आंखों, दांतों और व्यक्तिगत हेल्थ की जांच की गई और हाइजीन को लेकर जागरूक किया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा छात्रों के स्वास्थ्य में कमी पाई जाने पर परामर्श और सलाह दी। इसके साथ ही जिन छात्रों को स्वास्थ्य संबंधित समस्या पाई गई, उनके अभिभावकों को उचित चिकित्सा मार्गदर्शन प्रिस्क्रिप्शन के माध्यम से प्रदान किया गया।

26 जनवरी तक दिल्ली भोपाल की दोपहर वाली इंडिगो फ्लाइट रद्द

30 जनवरी तक हवाई अड्डे पर विजिटर एंट्री बंद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंडिगो की दोपहर वाली दिल्ली भोपाल लाइट को रद्द कर दिया गया है। विमान 6 ई 2433 जो प्रतिदिन दोपहर करीब साढ़े 12 बजे भोपाल आती थी, इसे 26 जनवरी तक के लिए सुरक्षा परिदृश्य से निरस्त कर दिया गया है। मामले में एयरपोर्ट अथॉरिटी ने यात्रियों से अपील की है कि वे इसमें सहयोग करें। जिन यात्रियों की पहले से बुकिंग थी, उन्हें अन्य लाइट में एडजस्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही सलाह दी गई है कि फिलहाल सिंगल बैग के साथ ही सफर करें।

30 जनवरी तक हवाई अड्डे पर विजिटर एंट्री भी बंद कर दी गई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, सभी एयरपोर्ट स्टाफ को स्थायी रूप से प्रवेशपत्र व आइडेंटिटी कार्ड को गले में लटा कर रखने की सलाह दी है। 24 घंटे मॉनिटरिंग को मजबूत करने के लिए जवानों की संया भी बढ़ाई गई है। इसके अतिरिक्त लगेज में एक एक्सट्रा चेकिंग से गुजरना पड़ेगा। एयर पोर्ट पर काम करने वाले स्टाफ का भी रैंडम वेरिफिकेशन किया जा रहा है।

खराब मौसम के कारण इंदौर की लाइट पहुंची भोपाल

राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंदौर पहुंचने वाली लाइट अचानक लैंडिंग परमिशन मांगने के मैसेज के साथ रडार पर नजर आई। मुंबई से आने वाली इंडिगो की उड़ान ने इंदौर में मौसम खराब होने और भोपाल एयरपोर्ट पर डायवर्सन की अनुमति मांगी। लाइट को सुरक्षित रूप से रनवे पर उतारा गया। मुंबई से इंडिगो की लाइट में सुबह 6.40 की जगह 6.54 बजे टेक ऑफ किया था। इसे तय समय पर 8 बजे इंदौर उतरना था। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर घना कोहरा होने के चलते इसे उतारने की परमिशन नहीं दी गई, जिसके चलते भोपाल डायवर्सन का फैसला लेना पड़ा। यात्रियों को भोपाल पहुंचकर वापस इंदौर जाने के लिए साधन उपलब्ध कराए गए। इसके चलते उन्हें अतिरिक्त समय लगा। इधर, मौसम साफ होने के बाद भोपाल से वापसी के लिए लाइट ने दोबारा उड़ान भरी। एयरपोर्ट प्रबंधन के मुताबिक पिछले एक सप्ताह से मौसम अप डाउन बना हुआ है जिसके कारण ऐसी स्थिति बन रही है।

समाज व राष्ट्र के गौरव थे हेमू कालाणी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत ने शहीद हेमू कालाणी के बलिदान को याद किया

हिरदाराम नगर. पूज्य सिंधी पंचायत ने शहीद हेमू कालाणी के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया, शहीद हेमू कालाणी स्टेडियम में शहीद की प्रतिमा पर मल्यार्पण किया गया। विधायक रामेश्वर शर्मा ने शहीद हेमू कालाणी को समाज और राष्ट का गौरव बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अमर शहीद हेमू कालाणी की शहादत से प्रेरणा लेना चाहिए। ताकि हमारा भारत देश और शक्तिशाली बने। पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी ने कालाणी के व्यक्तित्व एवं आजादी के लिए दी कुर्बानी पर प्रकाश डाला। चांदवानी ने कहा कि हेमू कालाणी ने आजादी के लिए कुर्बानी दी। नगर निगम के पार्षद अशोक मारण, भाजपा नेता राम बंसल, मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, चंद्रप्रकाश इसरानी, मूलचंद वीधानी, ब्लाक उपाध्यक्ष घनशाम लालवानी ने कालाणी के जीवन पर विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन जगदीश आसवानी ने किया। वहीं बस स्टेण्ड, फायर बिग्रेड के समीप व नगर निगम कार्यालय के समीप झूलेलाल मंदिर स्थित हेमू कालाणी प्रतिमा के समक्ष श्रद्धा से फूल चढाए व हेमू कालाणी की कुर्बानी एवं देश भक्ति की प्रेरणा जाग्रत करने वाले श्रद्धा से नारे लगाकर जय जयकार की। अंत में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मेट्रो एंकर | हेमू कालाणी के शहीदी दिवस पर संतनगर के स्कूलों में हुए कार्यक्रम, श्रद्धांजलि अर्पित की गई

बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों में याद किया हेमू कालाणी को

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालाणी के 82वां शहादत दिवस पर संतनगर के विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहां बच्चों को हेमू कालाणी के जीवन से परिचित कराया गया, वहीं विद्यार्थियों ने शहीद के जीवन पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

संस्कार विद्यालय में शहीद हेमू कालानी को उनके शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव और बच्चों ने हेमू कालानी को याद किया। वासवानी ने कहा कि शहीद हेमू कालानी ने जो देश के लिए किया वह हमें उनसे सीखना चाहिए, उन्होने छोटी सी उम्र में देश के लिए जो कुर्बानी दी और देश का नाम रोशन करके अमर शहीदों में अपना नाम स्थापित किया।

नवनिध गर्ल्स स्कूल : प्रार्थना सभा में शहीद हेमू कालानी को याद किया गया। शिक्षिका मीनल सिंह ने शहीद हेमू कालानी के जीवन और बलिदान के महत्व को रखा। छात्राओं ने कालानी के अदम्य साहस और बलिदान पर लघु नाटिका प्रस्तुत की। विद्यालय की प्राचार्या अमृता मोटवानी ने छात्राओं को हेमू कालानी के जीवन से निडरता, धैर्य और दृढ़ निश्चय का पाठ सीखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, उप प्राचार्या रेखा केवलानी व शिक्षक-शिक्षिकाएं छात्राएं उपस्थित रहीं।

साधु वासवानी स्कूल : शहीद हेमू कालानी के शहीदी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा जो देश शहीदों को याद नहीं करता उनकी कुर्बानियों को भूल जाता है उस देश का पतन होना निश्चित होता है। वह देश भाग्यशाली होता है जिस देश में शहीद पैदा होते हैं। हेमू कालानी ने महज 19 साल की आयु में अपना जीवन देश के लिए न्योछावर कर दिया था। संस्कार विद्यालय के सचिव बंसल चेलानी, प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल, उप प्राचार्या स्वाति कलवानी ने हेमू कालानी के जीवन पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों में भावांजलि अर्पित की।

मिठी गोबिंदराम स्कूल : शहीद हेमू कालानी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्था के अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी ने हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को यादगार बनाने के दो तरीके होते हैं, व्यक्ति की जीवन शैली एवं उनके जीवन के नैतिक मूल्य। देश की आजादी के हेमू कालानी के योगदान को रेखांकित किया। विद्यालय के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने कहा कि जीवन में अपने लिए तो सभी कार्य करते हैं, वास्तविक जीवन वही है जो परसेवा व परोपकार में व्यतीत हो। इस अवसर पर हेमू कालानी की शहादत पर आधारित गीत की प्रस्तुति दी गई।

अब संघ का जोर, जहां समाज विरोधी आवाजें उठ रहीं वहां तक पहुँचने के प्रयास

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा– जहां शाखा नहीं वहां भी पहुंचे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र के जिन क्षेत्रों से समाज विरोधी आवाजें उठ रही हैं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) वहां तक पहुंचेगा। देखेगा कि आखिरकार ऐसा क्यों हो रहा है। इसके बाद यहां समाज सुधार की अलख जगाएगा। समाज के साथ मिलकर युवा पीढ़ी को प्रदेश व राष्ट्र प्रेम से जोड़ने के प्रयास करेगा। यदि इन कामों के लिए शाखाओं का विस्तार करना पड़े तो, संघ वह काम भी करेगा।

उल्लेखनीय है कि संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले दो दिवसीय प्रवास पर भोपाल में थे उन्होंने भोपाल की चयनित शाखाओं की टोली के शाखा कार्यवाह, मुख्य शिक्षक और बस्ती प्रमुखों से संवाद किया। जिसमें उन्होंने शाखाओं के विस्तार का लक्ष्य दिया। यह भी कहा कि जिन क्षेत्रों में पहले से काम किए जा रहे हैं, वहां गुणात्मक सुधार दिखना चाहिए। इस संवाद में 239 शाखा, 40 मिलन टोली और 279 बस्ती के प्रमुखों ने सहभागिता की। जिसमें सरकार्यवाह ने कहा कि नियमित शाखा लगनी चाहिए। समाज मिलन से लेकर समाज में परिवर्तन के काम तेज होने चाहिए। शाखाओं के विस्तार से चिन्हित क्षेत्रों में समय-समय पर खड़ी होने वाली बुराईयों और विरोधी ताकतों से निपटने में समाज को सक्षम बनाना चाहिए।

संघ कर रहा दो प्रमुख लक्ष्यों पर काम

समाज में बदलावों के लिए संघ कई प्रकल्पों पर काम रहा है। ये काम मप्र में अलग-अलग क्षेत्रों में काफी पहले से जारी हैं। वर्तमान में संघ ने शताब्दी वर्ष के दौरान दो प्रमुख लक्ष्य लिए हैं, इसमें शाखाओं के विस्तार और गुणात्मक वृद्धि प्रमुख है। सूत्रों के मुताबिक संघ के सरकार्यवाह होसबाले ने इन्हीं दो लक्ष्यों पर संवाद को विस्तार दिया। उन्होंने कहा कि समाज में परिवर्तन जरूरी है, ये कई स्तर पर लाए जाने हैं। जहां काम हो रहे हैं वे संतोषप्रद हैं लेकिन यहीं पर ठहरना नहीं है। हर दृष्टि से समाज निर्माण में योगदान जरूरी है। जब समाज के बीच रहेंगे, मेल-मिलाप होंगे, कठिनाईयों को सझेंगे तो मजबूत बनेंगे। यह मजबूती प्रदेश व राष्ट को सामाजिक, आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में मदद करेगी।

महू रैली ; कांग्रेस की चौतरफा तैयारी, भाजपा 27 के बाद देगी जवाब

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली महू में 27 जनवरी को कांग्रेस के बडे आंदोलन और भाजपा द्वारा भी रैली निकालने की तैयारियों से राजनीतिक हलचल तेज है। हालांकि भाजपा ने अब कांग्रेस की रैली के बाद अपनी रैली निकालने का निर्णय लिया है। इस बीच 27 को कांग्रेस के लगभग सभी ब? नेता महू में होंगे और यहीं से जय भीम, जय बापू, जय संविधान अभियान की शुरुआत करेंगे। अब तक कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आने पर सहमति बन चुकी है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी मेंबर, कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम और पूर्व सीएम भी महू में शामिल होंगे। यह आयोजन महू के वेटरनरी कॉलेज में सुबह 11 बजे होगा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सदाशिव यादव के मुताबिक आयोजन के लिए 11 समितियां बन चुकी हैं। पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह सहित अन्य नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी दी है। इस बीच आज कांग्रेस नेता अपने इस आंदोलन की जानकारी देने के लिए जबलपुर पहुंचे हैं। अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव सहित कई नेता जबलपुर में कार्यकर्ताओं से बैठक कर रहे हैं। कांग्रेस महू के आयोजन के सबसे बडा बनाने की कोशिश में है।

फरवरी के तीसरे सप्ताह से बोर्ड पैटर्न पर शुरू होगी 5वीं 8वीं की मुख्य परीक्षाएं

- परीक्षा सेंटर को लेकर तैयारियां शुरू, पानी, फर्नीचर, शौचालय सहित सुरक्षा पर फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में 24 फरवरी से पांचवी और आठवीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू होगी। पांचवीं की परीक्षा 1 मार्च को और आठवीं के एग्जाम 5 मार्च को खत्म होंगी। परीक्षाओं की तैयारी स्कूल शिक्षा विभाग ने शुरू कर दी है। जिन स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं का आभाव है वहां परीक्षा केन्द्र नहीं बनाया जाएगा। सभी परीक्षा केंद्रों पर बेंच व डेस्क की उपलब्धता आवश्यक है। तभी उसे परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा। सेंटर बनाने के लिए स्कूलों में पानी, बिजली, फर्नीचर, शौचाल की व्यवस्था अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश भर में सरकारी व निजी स्कूलों के करीब 24 लाख विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। तीन से पांच किमी के दायरे में परीक्षा केंद्र चुने जाएंगे, ताकि छोटे-छोटे बच्चों को आने-जाने में परेशान नहीं होना पड़ेगा।

स्कूलों का जिला स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड आज से शुरू

प्रदेश के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 2 से 8 के दो लाख विद्यार्थी हो रहे हैं शामिल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड का आयोजन 22 और 23 जनवरी 2025 को प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड मुख्यालय पर किया जाएगा। प्रदेश के सभी शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में प?ने वाले कक्षा 2 से 8 के करीब 2 लाख विद्यार्थी इसमें शामिल होंगे। जिला स्तरीय ओलम्पियाड प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक विकासखंड मुख्यालय पर 22 और 23 जनवरी को किया जा रहा है। जिसके तहत कक्षा 2 से 3 के विद्यार्थियों हेतु 22 जनवरी को परीक्षा का निर्धारित समय विषयवार प्रातः 10 बजे से अपरांह 3:30 तक एवं कक्षा 4 से 5 के विद्यार्थियों की परीक्षा 23 जनवरी प्रातः 10 बजे से सांय 5:30 बजे तक विषयवार आयोजित होगी। कक्षा 6 से 8 की परीक्षा 22 एवं 23 जनवरी को सुबह 10:00 से दोपहर 3:30 तक आयोजित होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित यह ओलम्पियाड प्रतियोगिता ओएमआर शीट आधारित है।

केन्द्र स्तर पर 14 लाख विद्यार्थी हुए थे शामिल

राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि इस शैक्षिक ओलम्पियाड अंतर्गत जनशिक्षा केन्द्र स्तर की परीक्षा का आयोजन 24 दिसंबर को प्रदेश के समस्त जनशिक्षा केन्द्रों में हुआ था। जन शिक्षा केन्द्र स्तर के ओलम्पियाड में शामिल लगभग 14 लाख से अधिक विद्यार्थियों में से लगभग 2 लाख विद्यार्थी जिला स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड के लिये चयनित हुए हैं।

सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश जारी

विकासखंड मुख्यालयों पर आयोजित होने वाली इस ओलम्पियाड परीक्षा के लिए चयनित विद्यार्थियों के परिवहन, स्वल्पाहार एवं भोजन आदि की सभी व्यवस्थाएं विभाग द्वारा की गई हैं। संचालक राज्य शिक्षा केन्द ने परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिये सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश जारी कर दिये है।

बरकतउल्ला विवि शोधार्थियों ने लिया पीएचडी कॉलोक्वियम में भाग, किए शोध कार्य प्रस्तुत

अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टिट्यूट एण्ड पॉलिसी अनैलिसिस ने किया मप्र पीएचडी कॉलोक्वियम का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टिट्यूट एण्ड पॉलिसी अनैलिसिस (एआईजीजीपीए) द्वारा मप्र पीएचडी कॉलोक्वियम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयो, अन्य शैक्षणिक संस्थानों एवं शोध संस्थानों से पीएचडी कर रहे शोधार्थियों ने भाग लिया और अपने-अपने शोध कार्यों के परियोजना प्रस्ताव (सिनोप्सिस) देश के जाने माने विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत की गई । बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के बायोसाइंस विभाग (लैबोरेटरी ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एण्ड जीनोमिक्स) के डॉ. राजकुमार गर्ग, सह-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन में कार्यरत शोधार्थीयों ने भी इस एक दिवसीय पीएचडी कॉलोक्वियम में भाग लिया और अपने-अपने शोध कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया और पुरस्कार प्राप्त किए। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस.के. जैन ने विश्वविद्यालय के पुरस्कार प्राप्त सभी छात्राओं को बधायी दी और आगे ब?ने के लिए मानोबल बढ़ाया एवं कहा कि विश्वविद्यालय में शोध एवं विकासीय गतिविधियों में किसी प्रकार के रिसोर्से की कमी नहीं आने दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टिट्यूट एण्ड पॉलिसी अनैलिसिस (एआईजीजीपीए) मुख्य रूप से राज्य शासन की स्वात्त संस्था है जो प्रदेश में पालिसी निर्माण एवं पॉलिसी इम्प्लीमेंटेशन के लिये कार्य करता है इसलिए इस एक दिवसीय कॉलोक्वियम से शोधार्थीयों को अपने-अपने शोध कार्यों को प्रस्तुत करने और चर्चा करने का अवसर प्रदान करने के उपरांत प्रदेश के विकास के लिए शोध एवं विकासीय आधारित पॉलिसी बनाने एवं इम्प्लीमेंटेशन में सहायता मिलेगी ।

इन्हें मिले पुरस्कार

नीलिमा उईके ने अपना शोध कार्य डेवलपमेंट ऑफ डीएनए बारकोडिंग ऑशिस ऑफ अपर लेक भोपाल विषय पर प्रस्तुतीकरण नेचुरल रिसोर्सेज मैनेजमेंट एण्ड सस्टैनबिलिटी थीम में किया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, इसी थीम में गायत्री बाथम द्वारा जेनेटिक स्टॉक स्टडी ऑन ओमपोक बाइमकुलेटस फिश ऑफ फाइव रिवर्स ऑफ मध्य प्रदेश विषय पर प्रस्तुतीकरण किया गया और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। बायोसाइंस विभाग की ही निकिशा महोविया ने बायोडाइवर्सटी एण्ड ट्रेडिशनल नॉलेज थीम में अपना पीएचडी शोध कार्य डेवलपमेंट ऑफ डीएनए बेस्ड स्पीशीज स्पेसिफिक स्कार मार्कर्स फॉर चिताला चीताला विषय पर प्रस्तुतीकरण किया गया और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

संपादकीय

त्वरित न्याय ही असल दरकार

आखिरकार कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और फिर हत्या के मामले में अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुना दी। निश्चय ही पीड़ित परिवार और न्याय की मांग कर रहे लोगों को राहत मिली है। इससे बलात्कार जैसे मामलों में त्वरित सुनवाई और फैसले की उम्मीद भी जागी है। पिछले वर्ष अगस्त में अस्पताल के सम्मेलन कक्ष में प्रशिक्षु डॉक्टर का शव मिला था। जांच में पता चला कि उसके साथ बलात्कार हुआ था। इसे लेकर काफी हंगामा शुरू हो गया। छानबीन में ही आरोपी की पहचान कर ली गई थी। फिर देशभर के डॉक्टर आंदोलन पर उतर आए, अनेक शहरों में नागरिक संगठनों ने भी विरोध जताया था। कोलकाता में चिकित्सक और नागरिक लगातार इस घटना के विरोध में आंदोलन चलाते रहे। तब इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई थी। तेजी से जांच और आरोपी के खिलाफ पुख्ता सबूत मिलने के आधार पर अदालत ने फैसला सुनाया है। दो महीने से भी कम समय में सुनवाई पूरी करते हुए अदालत फैसले तक पहुंच गई। इससे जाहिर है कि अगर जांच एजंसियां तत्परता दिखाएं और अदालतें बलात्कार और हत्या जैसे मामलों में संजीदगी से सुनवाई करें, तो न्याय जल्दी मिल सकता है। बलात्कार के मामलों में अक्सर देखा जाता है कि दोष सिद्ध नहीं हो पाता। पीड़िता और उसका परिवार न्याय से वंचित रह जाते हैं। बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि की दर बहुत कम है। इसलिए भी ऐसे अपराध करने वालों का मनोबल तोड़ना कठिन होता है। करीब ग्यारह साल पहले दिल्ली के निर्भया कांड के बाद महिला अपराध संबंधी कानूनों को काफी सख्त बना दिया गया है। बलात्कार के मामले में जांच और सुनवाई में तेजी लाने का प्रावधान हुआ। मगर उसका भी कोई अपेक्षित असर नजर नहीं आता। बलात्कार के मामले हर वर्ष कुछ बढ़े हुए ही दर्ज होते हैं। आरजी कर अस्पताल की घटना को भी वहां के प्रशासन ने प्राथमिक तौर पर दबाने-छिपाने का ही प्रयास किया था। अगर वहां के चिकित्सा कर्मियों और जागरूक नागरिकों ने आंदोलन तेज न किया होता, तो शायद उस पर भी इतनी जल्दी फैसला न आ पाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने उस आंदोलन के दबाव में आकर ही मामले की निष्पक्ष जांच में सहयोग किया। पीड़ित परिवार ने किसी भी तरह का मुआवजा लेने से इनकार कर दिया था। उसकी मांग थी कि न्याय मिलना चाहिए। सीबीआइ और दूसरे पक्षकार दोषी को फांसी की सजा की मांग कर रहे थे, मगर अदालत ने बहुत ही सुलझे हुए ढंग से आजीवन कारावास की सजा सुनाई। बहरहाल,प्रशिक्षु चिकित्सक हत्या मामले में अपनाई गई जांच प्रक्रिया और सुनवाई एक नजीर है कि कैसे इस तरह के मामलों को निपटाया जाना चाहिए। ऐसे मामले अक्सर जांच में लापरवाही बरतने और आरोपी के साथ मिलीभगत के कारण बिना उचित न्याय के खत्म हो जाते हैं। जिन मामलों में रसूखदार लोग आरोपी होते हैं, उनमें निष्पक्ष जांच की संभावना कम ही होती है। अदालतें चूंकि जांच और सबूतों के आधार पर ही किसी निर्णय पर पहुंचती हैं, मगर जब वही ठीक से नहीं पेश किए जाते, तो मामले धुंधलके में खो जाते हैं। बलात्कार के मामलों में अक्सर उन महिलाओं को न्याय नहीं मिल पाता, जिनके पास योग्य वकील कर पाने का पैसा और प्रशासन पर दबाव बना सकने की क्षमता नहीं होती। लिहाजा ऐसे मामले में सरकारों की दृढ़ इच्छाशक्ति ही पीड़ित का सहारा बनती है।

मिडिल क्लास करदाताओं की अब कोई बात नहीं, रुपया गिर रहा है, बाज़ार डूब रहे हैं

■ वीर सांघवी

क्या आपने भारतीय रुपये की समस्याओं को देखा है, जो पिछले कुछ दिनों में ऐतिहासिक निचले स्तर तक गिर गया है? जिनकी याददाश्त अच्छी है, उन्हें याद होगा कि पिछली बार जब ऐसा हुआ था, तो काफी हंगामा हुआ था। 2014 की एक रैली में, एक प्रमुख विपक्षी नेता ने कहा था: 'हमारे देश का रुपया गिर रहा है. रुपये की कीमत लगातार गिर रही है. अटलजी की सरकार के दौरान रुपया 40-45 प्रति डॉलर था. और इस सरकार के तहत यह गिरता ही गया: 62, 65, 70'। यह अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं है कि यह विपक्षी नेता और कोई नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी थे, जो तब गुजरात के मुख्यमंत्री थे।रुपये की गिरावट मोदीजी के लिए एक विशेष जुनून बन गई थी. इससे एक साल पहले उन्होंने कहा था: 'रुपया अस्पताल में है और आईसीयू में भर्ती है. सरकार ने हमसे कहा था कि दो महीने में रुपया मजबूत हो जाएगा. लेकिन क्या हुआ? वे ऐसा करने में असमर्थ हैं. उन्होंने देश पर से नियंत्रण खो दिया है।'

जैसा कि भारत में लगभग हर चीज के साथ होता है, इस कहानी के कई पहलू हैं. एक स्तर पर, प्रधानमंत्री बनने वाले नेता सही थे. रुपये का पतन तेज़ और परेशान करने वाला था. और फिल्मी सितारों को निराश होने और हास्य की असफल कोशिश करने का पूरा अधिकार था। मनमोहन सिंह सरकार ने कई तर्क दिए। वैश्विक आर्थिक मंदी हो रही थी, सिर्फ डॉलर-रुपया अनुपात को देखना गलत था, आदि. लेकिन इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। किसी ने ध्यान नहीं दिया. हम जानते थे कि सरकार चाहे जो कहे, सच्चाई यह थी कि हमारी जेब में रखा रुपया अब कुछ महीने पहले की तुलना में कम मूल्य का हो गया था।उस समय रुपया 64 प्रति डॉलर था. हमें यह समझाया गया था कि जब सरकार बदलेगी, तो रुपया फिर से बढ़ेगा–शायद उस मूल्य तक भी, जो वाजपेयी सरकार के दौरान था, जिसका नरेंद्र मोदी ने बड़े गर्व से जिक्र किया था। उन्होंने यह भी कहा था: 'जब रुपया गिर रहा है, तो सरकार ने इसके बारे में कुछ नहीं किया. एक बार जब रुपया गिरता है, तो विश्व शक्तियां इसका लाभ उठाती हैं।'लेकिन भविष्य के प्रधानमंत्री को ही क्यों निशाना बनाया जाए? गुस्सा और नाराज़गी पूरे समाज में फैली थी. यहां तक कि फिल्मी सितारे भी इसमें कूद पड़े थे।'डॉलर एस्केलेटर पर. रुपया वेंटिलेटर पर. देश आईसीयू में. हम कोमा में हैं।' ट्वीट किया था जानी-मानी अर्थशास्त्री शिल्पा शेट्टी ने। जूही चावला ने जोड़ा, 'रुपये को बचाने का एकमात्र तरीका है कि वह डॉलर को राखी बांध ले।'यहां तक कि महान अमिताभ बच्चन ने भी एक हल्का मजाक किया: 'अंग्रेजी शब्दकोश में नया शब्द जोड़ा गया: 'RUPEED' (रु-पी-ड), क्रियाः नीचे गिरना...।' मैं यहां केवल कुछ उदाहरण दे रहा हूं उन बहादुर और बेबाक बयानों के, जो हमारे सितारों ने तब दिए थे, जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे. क्योंकि पिछले एक दशक में, जब से भाजपा सत्ता में आई है, उन्होंने न तो ऐसा कुछ कहा है और न ही वैसी मजाकिया बातें करने की कोशिश की है।भाजपा समर्थकों ने इसे खूब प्रचारित किया. यहां तक कि श्री श्री रविशंकर ने भी यह कहकर सुर्खियां बटोरीं कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद रुपया फिर से मजबूत हो जाएगा। लेकिन, जैसा कि हम सभी जानते हैं, ऐसा नहीं हुआ।वर्तमान में, जब मैं यह कॉलम लिख रहा हूं, रुपया 86 प्रति डॉलर को पार कर चुका है. इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह और नीचे नहीं गिरेगा; कुछ विशेषज्ञ 90 प्रति डॉलर तक के स्तर की बात कर रहे हैं।

मेरा यह दावा नहीं है कि इसके लिए पूरी तरह से सरकार जिम्मेदार है. और शायद रुपये के गिरने के कुछ फायदे भी हो सकते हैं, जैसे हमारे निर्यात में बढ़त मिलना. निश्चित रूप से, किसी भी भारतीय नेता या उद्योगपति ने, जिनके पास विदेशों में पैसा जमा है, रुपये के हिसाब से भारी लाभ कमाया होगा. एनआरआई ने अपनी कुल संपत्ति के मूल्य को रुपये में बढ़ते देखा है।लेकिन दो बातें मुझे सोचने पर मजबूर करती हैं. पहली: क्या यह बहुत ज्यादा उम्मीद है कि राजनेताओं में थोड़ी स्थिरता हो? जब मनमोहन सिंह के दूसरे कार्यकाल के अंत में बिल्कुल यही हुआ, तो इसे राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा गया. खुद नरेंद्र मोदी ने हमें बताया था कि कैसे विदेशी शक्तियां अब हम पर हावी हो सकती हैं।जब रुपया और भी निचले स्तर पर गिर चुका है–इतिहास में सबसे निचले स्तर पर–और अब मनमोहन सिंह के कार्यकाल के मुकाबले काफी कम मूल्य का है, तो क्या हम सरकार से किसी तरह की सफाई या थोड़ा आश्वासन मांगने के हकदार नहीं हैं? या कम से कम यह स्वीकारोक्ति कि 2013 में बार-बार किए गए वादे पूरे नहीं हुए? और दूसरी बात: अब सार्वजनिक आक्रोश कहां है? जो फिल्मी सितारे 2013 में इतने साहसी और मुखर थे, वे आज पूरी तरह से चुप क्यों हैं? वे तमाम मशहूर लोग, जो एक दशक पहले रुपये के गिरने से इतने चिंतित थे, आज इस भारी गिरावट पर कुछ भी बोलने को तैयार क्यों नहीं हैं?

साजिश के सिद्धांत के दृष्टिकोण से कहा जा सकता है कि सितारे और हस्तियां अब सरकार के खिलाफ कुछ भी कहने से डरते हैं. जो 2013 में शेर थे, वे अब चूहे बन गए हैं।शायद इस तर्क में कुछ सच्चाई है. लेकिन चलिए, हस्तियों से आगे बढ़ते हैं. क्या हमने मीडिया में वैसा आक्रोश देखा है, जैसा 2013 में रुपये के पतन के दौरान देखा गया था?आजकल, रुपये के गिरने की खबर शायद ही कभी अखबारों के पहले पन्ने पर आती है। कोई भी आत्म-संतुष्ट एंकर हर शाम इस पर चिल्लाते-चिल्लाते नहीं दिखते।यह दोहरा मापदंड क्यों? खैर, आपके अनुमान लगने की क्षमता मेरी तरह ही अच्छी है।लेकिन मध्य वर्ग का मामला इससे भी गहरा और बड़ा है। कई वर्षों तक मध्यम वर्ग के लोगों के लिए बचत का सुरक्षित स्थान माने जाने वाला शेयर बाजार अब खतरनाक और अनिश्चित जगह बन गया है. यह अभी तक उन स्तरों पर वापस नहीं आ सका है, जहां यह कुछ महीने पहले था। क्या इसका कारण पिछले बजट में घोषित कर नीति है, जिसके बारे में पहले से ही अनुमान लगाया गया था कि इसका ऐसा ही प्रभाव होगा? या फिर यह है कि विदेशी निवेशकों को अब भारतीय बाजार कम आकर्षक लगने लगा है और वे अपना पैसा वापस खींच रहे हैं? इससे न केवल मुद्रा विनिमय दर प्रभावित होती है बल्कि सेंसेक्स पर भी असर पड़ता है।

इन सवालों का जवाब अर्थशास्त्री बेहतर तरीके से दे सकते हैं. लेकिन सवाल यह है कि जब यह सरकार वही कर रही है, जिसके लिए उसने मनमोहन सिंह सरकार की आलोचना की थी, तो यह कैसे सही माना जा सकता है? और अंत में, जैसा कि मैंने पहले भी कई बार कहा है: कोई भी मध्यम वर्ग की परवाह नहीं करता. मध्यम वर्ग ही वे लोग हैं, जो रुपये के गिरने और शेयर बाजार के लुढ़कने को लेकर चिंतित हैं. यहां तक कि मीडिया, जो खुद इसी वर्ग से आता है, इसके बारे में कुछ नहीं कहता। और राजनेता, चाहे किसी भी पार्टी के हों, मध्यम वर्ग की चिंताओं पर बात नहीं करते क्योंकि वे 'अमीर समर्थक' कहलाना नहीं चाहते. (विडंबना यह है कि जब यही राजनेता सुपर-रिच का समर्थन करते हैं, तो वे इसे 'प्रो-ग्रोथ' और 'अमीर समर्थक' नहीं कहते।)

मध्यम वर्ग की उपेक्षा का एक और साफ़ उदाहरण आयकर की संरचना है. भारत की केवल 2 प्रतिशत जनसंख्या आयकर का भुगतान करती है. इनमें से अधिकांश मध्यम वर्ग से आते हैं, खासकर वे वेतनभोगी कर्मचारी, जिनके पास अपनी असली आय को छिपाने का साधन नहीं होता. कॉरपोरेट टैक्स, जो लाभ कमाने वाली कंपनियों से लिया जाता है, व्यक्तिगत आयकर की तुलना में सरकार को बहुत कम राजस्व देता है. यह किस दुनिया में उचित माना जा सकता है? लेकिन वह 2 प्रतिशत आंकड़ा अपने आप बहुत कुछ कहता है. चुनावों में यह वर्ग इतना बड़ा फर्क पैदा नहीं कर सकता. वे राजनेताओं के लिए मायने नहीं रखते. और सुपर-रिच की तरह, वे न तो रिश्वत दे सकते हैं और न ही चुनाव अभियानों में योगदान कर सकते हैं। तो अगर रुपये की कीमत घट जाती है या बाजार गिर जाता है, या मध्यम वर्ग की आय का एक बड़ा हिस्सा करदाता के हाथ में चला जाता है, तो क्या फर्क पड़ता है? कभी ऐसा समय था जब मीडिया मध्यम वर्ग के करदाताओं के लिए आवाज उठाता था. लेकिन आज यह भी बहुत बड़ी मांग लगती है।

(साभार : लेखक प्रिंट और टेलीविजन पत्रकार हैं, यह उनके विचार हैं।)

आज का इतिहास

- 2008- एनडीए ने लोकसभा में विपक्ष के नेता लालकृष्ण आडवाणी को 2009 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया।
- 2006- श्रीलंका के राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने विद्रोही संगठन लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) से बातचीत की पेशकश की।
- 2003- नासा के अंतरिक्ष यान पायनियर 10 पृथ्वी से (सर्वाधिक दूर मानव निर्मित यान) से अंतिम बार संपर्क स्थापित हुआ।
- 1999- ऑस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टेन्स और उनके दोनों बेटों की हत्या।
- 1998- अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन पर मोनिका लेविंस्की ने अवैध संबंध स्थापित करने का आरोप लगाया।
- 1996- कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय की वेधशाला के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी से लगभग 3,50,000 प्रकाश वर्ष की दूरी पर 2 नए ग्रहों की खोज की।
- 1993- इंडियन एयरलाइंस का विमान औरंगाबाद में क्रैश हुआ,जिसमें 61 यात्रियों की मौत हो गई।
- 1981- रोनाल्ड रीगन का संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के 40वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण।
- 1972- इस्तांबुल की पूरी आबादी को 24 घंटे के लिए नजरबंद किया गया।
- 1973- जॉर्डन एयरलाइंस का हवाई जहाज नाइजीरिया में क्रैश। हादसे में 176 लोगों की जान गई।
- 1973- अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को कानूनी मान्यता दी।
- 1968- अपोलो 5 ने पहले ल्यूनर मॉड्यूल के साथ अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरी थी।
- 1965- पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में इस्पात कारखाना शुरू हुआ।
- 1963-देहरादून में दृष्टिहीनों के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय की स्थापना हुई।
- 1924- रैमसे मैकडोनाल्ड ब्रिटेन में लेबर पार्टी के पहले प्रधानमंत्री बने।
- 1905- रूसी क्रांति की शुरुआत हुई थी।
- 1837- दक्षिणी सीरिया में आए भूकंप से हजारों लोगों की मृत्यु।
- 1760- वांदीवाश के युद्ध में अंग्रेजों ने फ्रांसिसियों को हराया।
- 1673- बोस्टन और न्यूयॉर्क के बीच डाक सेवा की शुरुआत।
- 1949- माणिक सरकार-त्रिपुरा के 9वें मुख्यमंत्री का जन्म।
- 1977- तरुण राम फुकन- असम के सामाजिक कार्यकर्ता का जन्म।
- 1976- टीएम कृष्णा- कर्नाटक संगीत शैली के प्रसिद्ध गायक तथा मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त कलाकार का जन्म।
- 1972- नम्रता शिरोडकर- फिल्म अभिनेत्री का जन्म।
- 1934- विजय आनंद- हिंदी फिल्मों के एक अभिनेता,पटकथा-लेखक,निर्माता और निर्देशक का जन्म।
- 1892- ठाकुर रोशन सिंह- स्वतंत्रता सेनानी का जन्म।
- 2014- ए.नागेश्वर- प्रसिद्ध तेलुगु फिल्म निर्माता और अभिनेता का निधन।
- 1901- महारानी विक्टोरिया-इंग्लैंड की महारानी का निधन।

रोजगार सृजन हो और महंगाई पर नियंत्रण

■ सुरेश सेठ

आज़ादी के बाद, संविधान द्वारा यह घोषणा की गई थी कि हम प्रजातांत्रिक तरीके से समाजवाद की स्थापना करेंगे, यानी अमीर-गरीब के भेद को मिटाएंगे। हालांकि, संविधान को अंगीकार करने के पौन सदी बाद भी यह भेद जस का तस बना हुआ है। देश में प्रगति तो हो रही है, लेकिन वह चंद धनकुबेरों की संपत्ति बनकर रह गई है। आज भी 10 प्रतिशत लोग देश की 90 प्रतिशत संपत्ति पर हावी हैं, जबकि 90 प्रतिशत लोग 10 प्रतिशत संपत्ति से अपना जीवन यापन कर रहे हैं।वर्ष 2047 तक देश को पूरी तरह से विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है और यह सपना देखा है कि भारत विश्व गुरु बनेगा। वर्तमान सरकार के 11 वर्षों में हमने देश को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बना दिया है और अगले वर्षों में तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं। हालांकि, यह सपना है, पर क्या वास्तविकता में अमीर-गरीब का भेद मिट पाया है? क्या मेहनत करने वालों को रोजगार मिला है? और क्या वजह है कि हर संकट में गरीब और भी अधिक परेशान होता है, जबकि अमीर और भी समृद्ध हो जाते हैं। नए आंकड़े बताते हैं कि एशिया में सबसे अधिक खरबपति भारत में हैं।

भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना बहुत आकर्षक है, लेकिन इसके लिए जीडीपी विकास दर 8-9 प्रतिशत के बीच रहनी चाहिए। हालांकि, 2024-25 के आर्थिक वर्ष की आखिरी तिमाही में जीडीपी विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम रही, जो 5.4 प्रतिशत तक गिर गई। इसका कारण महंगाई, शहरी मांग में कमी, महंगी वस्तुएं और घटती उपभोक्ता शक्ति बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, पूंजी निवेश में कमी और उत्पादकता में अवरोध भी आर्थिक मंदी के कारण बने। वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की थी, जो दर्शाता है कि यदि सही नीतियां अपनाई जाएं, तो आर्थिक वृद्धि संभव है।

आगामी बजट में वित्तमंत्री को इस मंदी का ध्यान रखते हुए ऐसे कदम उठाने होंगे जो निवेश को प्रोत्साहित करें, उत्पादकता बढ़ाएं, और रोज़गार के अवसर सृजित करें। इसके परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि होगी और बाजारों में निरुत्साह की स्थिति को रोका जा सकेगा। कृषि, जो देश का प्रमुख क्षेत्र है और जिसमें 62 प्रतिशत श्रम लगा है, अब उसके जीडीपी योगदान में गिरावट आ रही है। कोविड महामारी के प्रभाव से शहरी औद्योगिक और उत्पादक क्षेत्रों से श्रम बल वापस ग्रामीण इलाकों में लौट आया है, और अब वे शहरों में काम करने के लिए तैयार नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार, 16 प्रतिशत श्रम बल कृषि से अन्य क्षेत्रों में गया था, लेकिन पिछले दस वर्षों में 19 प्रतिशत श्रम बल खेती में लौट आया है, जबकि खेती की उत्पादकता अन्य क्षेत्रों से कम है। सेवा क्षेत्र और पर्यटन ने जीडीपी में बड़ा योगदान दिया है, लेकिन रोजगार की संभावना सीमित है। सरकार के मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और उत्पादन लिंक्ड इंसेंटिव योजनाओं के बावजूद पूंजी निर्माण की कमी के कारण ये योजनाएं सफल नहीं हो पाई। शहरी उपभोग में गिरावट के साथ ग्रामीण उपभोग में वृद्धि हुई है।

सरकार ने सहकारी क्षेत्र को विकसित करने का प्रस्ताव रखा है, लेकिन इसके लिए उन उद्योगों को गांवों, कस्बों या छोटे शहरों में स्थापित करना आवश्यक है। शहरी महंगाई से गरीब वर्ग का सामना कठिन हो रहा है, जबकि गांवों में खेती का कुटीर उद्योग कुछ सहारा दे सकते हैं। महंगाई का असर गांवों और शहरों दोनों पर है। एक और बड़ी चुनौती यह है कि युवा पीढ़ी को रोजगार की गारंटी नहीं मिल पा रही है, खासकर सरकार द्वारा महंगाई नियंत्रण के लिए लागू की गई सख्त साख नीति के कारण। उच्च ब्याज दरों और रैपो रेट में कोई कमी न आने से यह स्थिति और भी जटिल हो गई है। आगामी माह में रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति में ब्याज दरों या रैपो रेट में कटौती की आवश्यकता होगी, ताकि खेती से लेकर निवेश तक को प्रोत्साहन मिल सके और रोजगार सृजन हो सके। वर्तमान में कृषि, होटल और सम्पत्ति क्षेत्र को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में विकास दर घट गई है, जैसे निर्माण, खनन, विद्युत, गैस, और व्यापार। इसका कारण निवेश और पूंजी निर्माण की कमी है, जो ब्याज दरों में कटौती से पूरी हो सकती है। हालांकि, ब्याज दरों में कमी महंगाई को बढ़ा सकती है, इसलिए आर्थिक संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

(साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।)

> दुनिया में जो इतनी बुराई फैली हुई है उसका दोष केवल बुरा काम करने वालों पर ही नहीं है, बल्कि दोष उन अच्छे आदमियों का भी है जो बुरे काम करने वालों की खुशामद करने और उन्हें खुश करने के लिए सदा तैयार रहते हैं।
>
> - लुई फिशर

निशाना

महासमर चुनाव का !

अपने अपने ढंग से ।
हो रही तैयारी ।।
महासमर चुनाव का ।
जिम्मेदारी भारी ।।
छोड़ने की कोशिश है ।
अपने अपने तीर ।।
डट चुके हैं आज ।
सारे लगभग वीर ।।
कर के रहेंगे हासिल ।
अपना अब मुकाम ।।
भावना से यही ।
जा रहा पैगाम ।।
जीतने की अब लगभग ।
मच गई है होड़ ।।
है पूरा प्रयास ।
हैं हम ही बेजोड़ ।।

-कृष्णेन्द्र राय

25 से 29 जनवरी तक निकाली जाएगी पंचकोशी पदयात्रा, सेठानी घाट से पूजाअर्चना कर होगी शुरु

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गुरुदेव रवींद्र भारती चौरे कृत नर्मदा पंचकोशी पदयात्रा केन्द्रीय समिति पुनासा , शैव-प्रवासी सम्प्रदाय एवं नर्मदा भक्ति आंदोलन के संयुक्त तत्वावधान में नर्मदापुरम् - बांद्राभान पंचकोशी पदयात्रा 25 जनवरी से 29 जनवरी 2025 तक आयोजित की जा रही है। यात्रा का ये 20 वा वर्ष है। दि. 25 जनवरी, 2025 शनिवार प्रातः काल सेठानी घाट पर नर्मदा स्नान, प्राचीन नर्मदा मंदिर से भक्तों द्वारा ध्वजापूजन एवं आरती पश्चात् प्रस्थान करेगी। मार्ग के मंदिरों के दर्शन करते हुए झारखण्डी आश्रम में भजन / कीर्तन / फलाहार के साथ प्रथम रात्रि विश्राम रहेगा।

26 जनवरी, 2025 रविवार नाव द्वारा नर्मदा पार कर यात्रा प्रस्थान करेगी। ग्राम बुधनी (उत्तर द्वार) नर्मदा तट के श्रीरामजानकी / नर्मदा मंदिर में भोजन भण्डारा के बाद द्वितीय रात्रि विश्राम रहेगा।

27 जनवरी सोमवार प्रातः बुधनी घाट स्नान ध्वजापूजन आरती कर प्रस्थान करेंगी। ग्राम रामनगर (पूर्व द्वार) में भण्डारा, भजन कीर्तन सत्संग के साथ तृतीय रात्रि विश्राम रहेगा।

28 जनवरी, मंगलवार प्रातः नर्मदा स्नान / पितृ तर्पण ओंकारध्वजापूजन कर नाव द्वारा रेवा-तवा से नर्मदा पार करेंगे। दक्षिण बांद्राभान तट स्थित मंदिरों के दर्शन कर विशाल द्वादश शिवलिंग मंदिर एवं शक्तिपीठ आश्रम में भण्डारे के साथ चतुर्थ रात्रि विश्राम रहेगा।

माघ कृष्ण मौनी अमावस्या 29 जनवरी, बुधवार प्रातः नर्मदा स्नान ध्वजापूजन / आरती पश्चात् ग्राम मालाखेड़ी से ग्राम नर्मदापुरम् नगर के मुख्य मार्गों से यात्रा सेठानी घाट स्थित नर्मदा मंदिर के सम्मुख ध्वजारोहण के साथ महाआरती / कढ़ावा प्रसादी एवं भण्डारा पश्यात यात्रा का समापन होगा। इस यात्रा के प्रवर्तक ब्रह्मलीन गुरुवर रवीन्द्र चौरे 'भारती' रहे है।

कारेश्वर की प्रथम यात्रा से सन 1975 में पंचकोशी यात्राओ की शुरूआत करने वाले नर्मदा पंचकोशी यात्राओ के जनक डॉ. रवींद्र चौरे 'भारती' ने अपने जीवनकाल मे 25 नर्मदा पंचकोशी यात्रा शुरू की थी और पंचकोशी यात्रा के दौरान ही पुनासा में ब्रह्मलीन हो गए।

नगर गौरव दिवस और मां नर्मदा जयंती की तैयारी शुरू : मनभावन रंगों से सजाये नर्मदा घाट

नगरपालिका ने गौरव दिवस और नर्मदा जयंती मनाने की तैयारियां शुरू कर दी है। नर्मदा जयंती को दिव्य और भव्य बनाने के लिए घाटों की दीवारों पर प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ और समुद्र मंथन जैसी लीलाओं के चित्र उकेरे जाएंगे।

उपयंत्री प्रतिमा बेलिया ने बताया कि नगर के सभी घाटों की मनभावन रंगों से पुताई कराई जा रही है। घाटों की सुंदरता बढ़ाने के लिए छोटी छोटी बारीकियों पर ध्यान दिया जा रहा है। उप्र प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ का नजारा मां नर्मदा के घाटों पर दिखेगा। चित्रों के माध्यम से घाटों की दीवारों पर महाकुंभ के दृश्य उकेरे जाएंगे। चित्रों को बनाने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। दीवारों पर समुद्र मंथन से संबंधित पेंटिंग्स भी बनाई जा रही है। नर्मदापुरम धार्मिक नगर है इसलिए हरेक दिशा में अध्यात्म से संबंधित पेटिंग्स बनाई जाएंगी।

नगर पालिका ने नागरिकों से आग्रह किया है कि घाटों पर किसी भी प्रकार की गंदगी न करें। स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। हम सब मिलकर मां नर्मदाजी की जयंती और नगर का गौरव दिवस मनाएंगे।

दमोह मार्ग पर वन विभाग के डिपो के पास हुआ हादसा

ई रिक्शा पलटने से आधा दर्जन घायल, तीन जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत दमोह तेन्दूखेड़ा मार्ग पर वन विभाग की डिपो के समीप एक तेज रफ्तार ई रिक्शा आटों वाहन अनियंत्रित होकर सड़क छोड़कर खाई में जाकर पलट गया इस हादसे में आधा दर्जन लोगों के घायल होने के साथ ही तीन लोगों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किए जाने का घटनाक्रम सामने आया है दरअसल मंगलवार को थाना क्षेत्र से तीन किमी दमोह मार्ग पर यह हादसा हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही 108 के पायलट सुखदेव बेन डॉ विजय ठाकुर मौके पर पहुंचे और कुछ घायलों को उठाकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए वहीं डायल 100 सहित पुलिस भी मौके पर पहुंची घटना के संबंध में मिली जानकारी ई रिक्शा क्रमांक एमपी 21 जीबी 5293 जो बैलढाना हरदुआ ग्राम से लोगों को बैठकर तेन्दूखेड़ा लेकर आ रहा था लेकिन रास्ते में अनियंत्रित होकर पलट गई।

इस दुर्घटना में चतुर्भुज पिता रघुनाथ अहिरवार उम्र 35 वर्ष निवासी हरदुआ गुड्डी बाई पति कब्बू अहिरवार उम्र 45 वर्ष निवासी हरदुआ रुप रानी पति लक्ष्मण अहिरवार उम्र 50 वर्ष

निवासी हरदुआ गुड्डी बाई पति केदालाल केवट उम्र 70 वर्ष निवासी बैलढाना कविता पति कमलेश केवट ममता पति लखन केवट उम्र 35 वर्ष सीमा पति कमलेश केवट उम्र 30 वर्ष निवासी बैलढाना हादसे में घायल सभी एक ही ग्राम के निवासी हैं जो मंगलवार को तेन्दूखेड़ा के साप्ताहिक बाजार में सब्जी सहित अन्य सामग्री खरीदने के लिए आ रही है लेकिन रास्ते में हादसा हो गया।

वहीं ई रिक्शा चालक मौके पर भाग निकला है इस हादसे में गुड्डी बाई केवट रुप रानी अहिरवार ममता केवट को गंभीर और अंदरूनी चोटें आने पर जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है वहीं पुलिस ने ई रिक्शा आटों को जब्त करते हुए सुरक्षित रखवाया है पुलिस मामले की जांच कर रही है

रेत कंपनी के कर्मचारियों से मारपीट करने वाले डोंगरवाड़ा सरपंच सहित अन्य पर मामला दर्ज

- जिले में रेत कंपनियों का ठेका होने के बाद भी रेत माफिया है सक्रिय

नर्मदापुरम। जिले में रेत माफिया प्रशासन पर हावी है. जिले में रेत का ठेका होने के बाद भी रेत माफिया रेत चोरी करने से बाज नहीं आ रहे है.

रेत माफियाओं द्वारा गत दिवस रेत कंपनी के कर्मचारियों के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया.इस मामले में देहात थाना पुलिस ने रेत माफिया और रेत कंपनी के कर्मचारी दोनों पक्षों पर मामला दर्ज कर कार्यवाही की है। बताया जा रहा था कि देहात थाना पुलिस ने डोंगरवाडा के सरपंच माखन कीर और उसके भाई अशोक कीर सहित अन्य पर मामला दर्ज किया है।

जिले में सिल्वर मिस्ट और पावर मैक कंपनी का रेत खनन का वैध ठेका है।लेकिन रेत माफियाओं के द्वारा बगैर रॉयल्टी के रेत चोरी की जा रही है।जब रेत कंपनी की फ्लाइंग स्काड इन रेत माफियाओं की गाड़ियों को पकड़ती है। तो ये रेत माफिया कंपनी कर्मचारीयो के साथ मारपीट पर उतारू हो जाते है। जिले में रेत माफिया इस कदर हावी है कि वे खून खराबा करने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। कभी गोली चलाते हैं तो कभी हथियारों से रेत कर्मचारियों पर हमला करते हैं। इनको ना तो पुलिस का खौफ है ना ही प्रशासन का भय है.डोंगरवाडा, कर्बला, खर्राघाट, सहित जिले की अन्य रेत खदानों से रेत माफिया बेखौफ रेत चोरी कर रहे है।इन रेत माफियाओं ने अपने गुर्गों के साथ मिलकर कुलामड़ी रोड पर स्थित रेत कंपनी के ऑफिस पर हमला कर कुछ रेत कर्मचारियों को घायल कर दिया।इस मामले में देहात थाना पुलिस ने डोंगरवाडा के सरपंच माखन कीर अशोक कीर, जीतू कीर, और गोविंद कीर पर मामला दर्ज किया है।

किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

- किसान संघ ने कहा- राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा शोषण

भारतीय किसान संघ मध्यभारत प्रान्त ने किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम अनिल जैन अपर कलेक्टर को ज्ञापन दिया। इस अवसर पर नर्मदापुरम जिले में प्रांत उपाध्यक्ष नरेंद्र दोगने, संभागीय संगठन मंत्री दिनेश शर्मा, प्रांतीय सदस्य जगदीश पाटील एवं संभागीय मंत्री देवेंद्र पटेल, संभागीय प्रचार प्रमुख उदय पांडे, संभागीय सदस्य शिवमोहन सिंह, जिला अध्यक्ष ओंकार राजपूत,जिला मंत्री शंकर पटेल, जिला उपाध्यक्ष लखन चौधरी, संभागीय सदस्य बृजेश राजपूत, राजकुमार बेस, विनोद दुबे, संभागीय सह मंत्री मंगल सिंह, गुलाब सिंह, कमल मीणा, राजेश दीवान, तहसीलों अध्यक्ष मंत्री एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे। पूरे प्रान्त में किसानों से हो रही वादा खिलाफ़ी का विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रान्त के सभी जिलों में राजस्व विभाग के अधिकारी किसानों का शोषण कर रहे हैं।नामांतरण, बटान, सीमांकन, बही बनवाने से लेकर हर काम मे किसानों से पैसे मांगे जाते हैं, बिना लिए दिए कोई काम राजस्व विभाग में नही हो रहा है।पूरे प्रांत में खाद की काला बाजारी चरम पर है, नकली खाद, बीज, दवाइयां धड़ल्ले से बेची जा रही है। जिन पर शिकायत करने पर भी कोई कार्यवाही नही होती है। विद्युत विभाग किसानों को मनमाने बिल भेज रहा है जमा न करने पर एक तरफ कार्यवाही की जा रही है। कही कही तो 2 एकड़ की किसान को भी हज़ारो के बिल थमाए जा रहे हैं। 5 हार्सपावर के कनेक्शन पर 10 हार्सपावर के बिल दिए जा रहे हैं। 8 से 10 घंटे बिजली देने की बजाए 6 घण्टे बिजली दी जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारी कागजो पर योजनाएं चला रहे हैं। सरकार द्वारा सब्सिडी व अनुदान भ्रस्टाचार में बर्बाद किया जा रहा है। गेंहू, सोयाबीन, धान के भाव अपने निचले स्तर पर पहुच गए हैं।मंडियों में भी फसलों को व्यापारी द्वारा ओने पौने दाम लगाकर किसानों से खरीदा जा रहा है। पूरे प्रान्त में भारतीय किसान संघ ने ज्ञापन के माध्यम से सरकार एवं प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर सात दिवस के अंदर सरकार एवं प्रशासन ये किसानों से लूटमार बंद नही करता है तो भारतीय किसान संघ भोपाल के प्रशासनिक मुख्यालय वल्लभ भवन का घेराव करेगा। जिसकी पूरी जवाबदारी सरकार एवं प्रशासन की होगी। प्रान्त के सभी जिलों भोपाल, सीहोर, विदिशा, रायसेन, भिंड, मुरैना, बैतूल, राजगढ़ आदि 16 जिलों में ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने के पूर्व संगठन की बैठक कृषि उपज मंडी समिति प्रांगण में हुई। जिसमें आंदोलन की कार्य योजना का विस्तार से जानकारी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को दी गई।

स्कूल पहुंच कर बच्चों को बांटे जैकेट

गंजबासौदा। मंगलवार को सावित्री महिला मंडल एवं इनरसोल के संयुक्त तत्वावधान में बैहलोट शासकीय मिडिल स्कूल में बच्चों के लिए सर्दी को ध्यान में रखते हुए गरम जैकेट वितरित की गई। इस कार्यक्रम विद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे में उपस्थित थे। संस्था द्वारा बच्चों को जैकिट वितरित किए गए। वहीं जैकेट वितरित करने के बाद सभी बच्चों जैकिट पहनाई गई। जैकेट पहनकर बच्चे बहुत खुश नजर आ रहे थे। बच्चों को खुश देखकर सभी को बहुत अच्छा लगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमेरिका से आए हुए विजय वर्मा, राजीश वर्मा, संरक्षक वंदना तिवारी, अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, उपाध्यक्ष सोनाली शेवडे , उपाध्यक्ष रीता मिश्रा ,मधु पांडे, आदर्श शर्मा , विद्यालय प्रभारी काशीराम मालवीय उपस्थित रहे।

कॉलेज की छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों और यातायात संकेतों की जानकारी दी

विदिशा। राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में आज सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों, यातायात संकेत, सड़क सुरक्षा अधिनियम की जानकारी देते हुए

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से सुश्री सृष्टि सक्सेना द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से सड़क सुरक्षा नियमों , यातायात संकेत, सड़क कार्रवाई के आंकड़ों, सड़क सुरक्षा अधिनियम, सड़क सुरक्षा सवारी गियर का उपयोग और सड़क सुरक्षा संकेत पर प्रशिक्षण दिया।

4 हजार किमी दूरी तय कर टाइगर रिजर्व पहुंचे हिमालयन यूरेशियन गिद्ध व प्रवासी पक्षी छेवला जगतराई में भी आए नजर

- वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में प्रवासी पक्षियों का डेरा
- चहचहाहट से गूंज रही टाइगर रिजर्व की सुंदर वादियां और पहाड़ियां में हजारों प्रवासी परिंदे

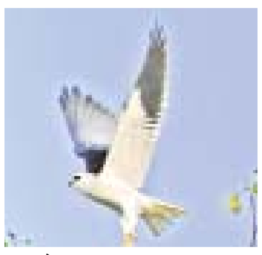

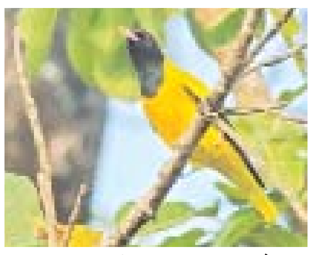

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व का वातावरण प्रवासी पक्षियों को पसंद आ रहा है। सर्दी के सीजन में यहां बड़ी संख्या में देसी और विदेशी पक्षियों ने अपना डेरा जमा लिया है। टाइगर रिजर्व के अफसरों का कहना है कि वर्तमान में यहां पर सात प्रजाति के गिद्ध पहुंच चुके हैं। जिसमें से चार प्रजाति स्थायी निवासी हैं। शेष तीन प्रजाति के गिद्ध सर्दी के मौसम में टाइगर रिजर्व में नजर आते हैं। यहां पर हिमालय के आसपास के अलावा अफगानिस्तान, भूटान और तिब्बत से गिद्ध आते हैं।

हिमालयन ग्रिफन कई सालों से यहां में सर्दियां बिताने पहुंच रहे हैं। इसके अलावा यूरोप और एशिया के दूसरे देशों से भी यूरेशियन प्रजाति के गिद्ध आते हैं। यह तीन से चार हजार किमी तक की दूरी तय कर टाइगर रिजर्व पहुंच रहे हैं। इस बार भी ठंड के मौसम में इन प्रवासी पक्षियों का नौरादेही पहुंचना शुरू हो गया है। ये टाइगर रिजर्व के तालाब और नदियों के कुंड के आसपास आसानी से देखे जा सकते हैं

इसलिए प्रवासी पक्षियों को भाया टाइगर रिजर्व

प्रवासी पक्षियों को टाइगर रिजर्व की आवोहवा, विशाल जंगल और यहां के प्राकृतिक जल स्त्रोत काफी पसंद आते हैं। इसी कारण यहां पर भारत के आसपास के देशों के अलावा एशिया और यूरोप के दूसरे देशों से काफी संख्या में प्रवासी पक्षी सर्दियों के मौसम में पहुंचते हैं। जानकार बताते हैं कि टाइगर रिजर्व के तीन तालाब और दोनों नदियों के आसपास प्रवासी पक्षियों का ठिकाना होता है। जिनमें जगरासी खेड़ा, छेवला और जगतराई तालाब है वहीं यहां बहने वाली ब्यारमा और बामनेर नदी के कुंड या तालाबनुमा संरचनाओं के आसपास इनको आसानी से देखा जा सकता है। आवोहवा पसंद आने के कारण यहां सात तरह के गिद्धों के साथ हरियाणा में पाई जाने वाली वुली नेक्ड स्टार्क के अलावा पेंटेड स्टार्क (सारस) भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा ब्लैक स्टार्क तो प्रजनन के लिहाज से पहुंचते हैं और तालाब और नदी किनारे के पेड़ों को अपना ठिकाना बनाते हैं

हिमालयन और यूरेशियन गिद्धों की 7 प्रजातियां मौजूद

टाइगर रिजर्व में पहुंचने वाले प्रवासी पक्षियों में भारतीय और विदेशी गिद्ध यहां काफी संख्या में देखे जा सकते हैं। यहां सात प्रकार के गिद्धों की प्रजातियां पहुंच चुकी हैं। जिनमें 4 तो यहां की स्थाई निवासी हैं। लेकिन तीन प्रजातियां सिर्फ सर्दी के मौसम में नजर आती हैं। यहां पर हिमालय के आसपास के अलावा अफगानिस्तान, भूटान, तुर्केमिस्तान और तिब्बत से गिद्ध आते हैं। इनका प्रमुख ठिकाना हिमालय में 1200 से 5 हजार मीटर की ऊंचाई पर होता है

हिमालयन ग्रिफॉन कई सालों से नौरादेही में सर्दियां बिताने पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ यूरोप और एशिया के दूसरे देशों से यूरेशियन प्रजाति के गिद्ध आते हैं। इनको तो नौरादेही का मौसम ऐसा भाया है कि यहां सर्दियां बिताने के लिए ये 3 से 4 हजार किलोमीटर तक का सफर तय करते हैं। खास बात ये है कि यूरेशियन प्रजाति के गिद्ध यहां सिर्फ सर्दियां बिताने आते हैं। जबकि दूसरे गिद्ध यहां प्रजनन के लिए भी पहुंचते हैं।

प्रवासी पक्षियों का टाइगर रिजर्व आने पर दौर शुरू

टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी ने बताया कि टाइगर रिजर्व में तीन बड़े तालाब हैं। जिनमें हर साल प्रवासी पक्षी आते हैं। जगरासी खेड़ा तालाब, छेवला तालाब और जगतराई तालाब है। इसके अलावा नदियों में जो कुंड या तालाबनुमा संरचना है, उनके आसपास भी प्रवासी पक्षी आते हैं। इनका आगमन यहां शुरू हो गया है। ऐसे में प्रबंधन ये देखता हैं कि प्रवासी पक्षी बढ़ रहे हैं या फिर घट रहे हैं। वर्तमान में यहां पर हिमालयन ग्रिफॉन है, ये हिमालय के एरिया से आते हैं। टाइगर रिजर्व में यूरोप के देशों से 3 से 4 हजार किमी की दूरी तय करके प्रवासी पक्षी पहुंचते हैं।

भूमाफियाओं पर कलेक्टर पाएंगे शिकंजा, एसडीएम ने प्रकरण बनाकर भेजे

कलेक्टर से जनता को उम्मीद, राजनीतिक संरक्षण के दम पर हो रही खुलेआम लूट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भोली भाली जनता को चूना लगाने वाले भू माफिया पर जल्दी धरातल पर ठोस करवाई होती हुई दिखाई दे सकती है। मगर देखने वाली बात होगी कि भू माफिया कलेक्टर पर हावी हो पाएंगे या फिर जनता के हित में मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप काम कर रहा है कलेक्टर रोशन सिंह अपनी ताकत दिखाकर जनता को न्याय इन भूमियों से दिला पाएंगे या नहीं क्योंकि अधिकांश भूमाफियाओं को राजनीतिक लोगों संरक्षण प्राप्त है। इनके ही बलबूते पर अब तक अवैध रूप से कॉलोनी का धंधा इनका फल फूल रहा है खुलेआम जनता को और शासन को चूना लगाने काम करते आ रहे हैं। अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों प्रशासन हमेशा नोटिस तक सीमित रहता था इस बार कलेक्टर के पास कार्रवाई के लिए प्रकरण एसडीएम के द्वारा भेज दिए गए हैं ।इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है जल्दी ही अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले कॉलोनाइजरों पर कलेक्टर प्रकरण दर्ज करवाने के निर्देश भी दे सकते हैं । मीडिया के द्वारा जनहित में अवैध रूप से कॉलोनी का मामला उठाया था इसके बाद कलेक्टर ने अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई के लिए एसडीएम हर्षल चौधरी को निर्देश दिए थे। इसके के उपरांत तहसीलदार संजय चौरसिया के द्वारा 55 कॉलोनीयों को अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने के संबंध में नोटिस देकर दस्तावेज मांगे थे

किसी भी 2 महीने में बैध कॉलोनी के दस्तावेज नहीं दिए इसके बाद एसडीएम ने अब इन पर आगे कार्रवाई के लिए प्रकरण बनकर कलेक्टर को भेजे हैं।

अब कार्रवाई की की जिम्मेदारी कलेक्टर के पास

अवैध रूप से कॉलोनी काटने का धंधा विगत कई वर्षों से तेज़ी से फल फूल रहा है शहर के चारों तरफ अवैध कॉलोनी की भरमार है शासन के रिकॉर्ड में अभी 95 कॉलोनी है जबकि इनकी संख्या 120 के करीब बताई जा रही है सबसे बड़ी बात तो है कि भूमाफियाओं को कार्रवाई का कोई डर नहीं है अपने हिसाब से कहीं भी कॉलोनी काटकर जनता को चूना लगाकर चलते बनते हैं। पिछ्ले कई वर्षों में पहली बार किसी कलेक्टर ने अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई करने का साहस दिखाया है। अब देखना है कि कलेक्टर कितनी ताकत से भूमाफियाओं पर कार्रवाई को अंजाम दे पाएंगे एसडीएम ने कार्रवाई की फाइल इनके पास भेज दी है।

सरकारी पट्टे की जमीन पर भी कॉलोनी विकसित

भूमाफियाओं को प्रशासन का कोई डर नहीं है तभी तो सरकारी पट्टे की जमीन पर इन्होंने अवैध रूप से कॉलोनी काटकर जनता को चूना लगा दिया है। भोपाल रोड पर माल्शीपुर क्षेत्र में सरकारी पट्टे की जमीन पर भी बड़ी संख्या में कलोनी विकसित की गई इनको भी राजनीतिक तथा प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त तभी तो है सरकारी पट्टे की जमीन को भी बेच रहे हैं। भोली भाली जनता को निजी जमीन पता कर रजिस्ट्री करदी पर पेट जमीन होने का नामांतरण नहीं हो रहा है प्लाट लेने वाले लोग कई सालों से नामांतरण करवाने पटवारी से लेकर तहसील कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं । दूसरी और पट्टे की भूमि होने से प्रशासन नामांतरण- करने से मना कर रहा है इस वजह से इन लोगों की परेशानियां भी बड़ी हुई है। इसी तरह कस्टोडियन की भूमि पर भी कॉलोनी विकसित हो गई हैं इस तरह से जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाले कॉलोनाइजरों पर प्रशासन के ज़िम्मेदार अधिकारियों को धरातल पर 420 की धाराओं में भी कार्रवाई करवानी चाहिए जिससे की जनता को न्याय मिले।

जनता को लूटने काम जोरों पर

अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों के द्वारा जनता को अपने झांसे में लेने के लिए पहले तो बड़े-बड़े सपने दिखाए जाते लोक लुभावने वादे भी करते हैं इनाम का झांसा भी देते हैं।मतलब निकालने के बाद मुड़कर भी नहीं देखते हैं। इनके द्वारा जनता की मेहनत की कमाई को लंबे समय से लूटने कार्य किया जा रहा है ।शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नोटिस तक रुक जाती थी पहली बार कार्रवाई आगे बढ़ाने जनता को भी कलेक्टर से बड़ी उम्मीद है।

40 को और जारी होंगे नोटिस

विकासखंड में अवैध रूप से कॉलोनी काटने की संख्या रुकने का नाम नहीं ले रही है 55 कॉलोनीयों पर नोटिस के बाद आगे कार्रवाई बढ़ गई है। दूसरी किस्त में 40 और ऐसी कॉलोनी चिंतित प्रशासन के द्वारा की गई जो अवैध रूप से विकसित हो रही है इनको भी तहसीलदार के द्वारा जल्दी ही नोटिस जारी करके दस्तावेज मांगे जाएंगे इसके बाद दस्तावेज नहीं देने पर इन कॉलोनाइजरों पर भी आगे कार्रवाई होगी होगी।

विक्रय से प्रतिबंधित कर पाएंगे क्या कलेक्टर

अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर प्रशासन को कड़ी चोट करनी है तो इनको सबसे पहले विक्रय से प्रतिबंधित करना होगा उसके बाद ही अवैध रूप रूप से कॉलोनी काटने वालों का खेल को बंद करेंगे नहीं तो उनका खेल इसी तरह जारी रहेगा जनता इसी तरह लुटती रहेगी। वहीं इतनी हिम्मत कलेक्टर जुटा पाएंगे या नहीं है तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा।

इनका कहना है

55 कॉलोनी पर अग्रिम कार्रवाई करने के लिए कलेक्टर महोदय को प्रकरण बनाकर भेज दिए हैं 40 कॉलोनीयों को और नोटिस जारी होने वाले हैं।

–हर्षल चौधरी संयुक्त कलेक्टर

सिवनी मालवा से गौ तस्करी करते हुए ले जाए जा रहे वाहन को भौरा पुलिस ने पकड़ा

सिवनी मालवा और उसके आसपास के क्षेत्र से लगातार गो तस्करी किए जाने का मामला सामने आता रहा कई बार गो सेवकों ने को तस्करी करते हुए कई बार वाहनों को पुलिस के हवाले किया गौ माताओ को गो तस्करों से आजाद करवाया

तो वहीं पिछ्ले साल गो तस्करी करते हुए पकड़े एक बहन में माल विचिंग का भी मामला हुआ जिसमें एक व्यक्ति की मौत भी हो गई इसके बाद भी सिवनी मालवा क्षेत्र के नंदरवाड़ा वाले इलाके से गो तस्करी लगातार जारी है इसी के चलते ग्राम नंदरवाड़ा क्षेत्र के आसपास से गो तस्करी करते हुए ले जाया जा रहे हैं वाहन को बैतूल जिले के अंतर्गत भौरा थाना प्रभारी ने पकड़ा। सूत्रों से जानकारी मिली थी कि इटारसी बैतूल हाइवे मार्ग पर एक सफेद रंग का लोडिंग वाहन में गौ तस्करी की जा रही है। सूचना पर पुलिस बल को

गौवंश वध प्रतिशेध और पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं में मामला किया दर्ज

मौके पर भेजा गया । मुख्य मार्ग पर पुलिस टीम ने मवेशियों से भरा एक लोडिंग वाहन क्रमांक स्क्ब04 लक्क 6346 को पकड़ा गया। वाहन में 8 मवेशी जिंदा मिले और 2 मवेशी मृत अवस्था में मिले थे। पुलिस को देख वाहन चालक और तस्कर मौके से फरार हो गए है।

वाहन को जब्त कर थाने में खड़ा किया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि वाहन सिवनी मालवा का है और आरोपियों पर धारा 469 के तहत मुकदमा कायम कर लिया गया है आरोपीयो को भी जल्द पकड़ लिया जाएगा।

05 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित

सीहोर। सीहोर स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा 05 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 जनवरी तक चलेगा। इस संकाय विकास कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों में कार्यरत 50 पुनर्वास कार्यकर्ताओं को दिव्यांगजनों के पुनर्वास से संबंधित विभिन्न विषयों के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पश्चिम मध्य रेल

उप मुख्य विद्युत अभियंता पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। निविदा सूचना क्रमांक: EL-PROJECT-BPL-24-EPC-01 दिनांक 17.01.2025, कार्य का नाम ... [illegible] ... अनुमानित लागत: ₹1,28,70,50,000/-, ... [illegible] ... निविदा जमा करने की तिथि एवं समय 14.00 बजे तक: 01.03.2025, ... [illegible] ... निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे की वेब साइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है। ... [illegible]

उप मुख्य विद्युत अभियंता (प्रोजेक्ट) पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्कूल वाहनों की यातायात पुलिस ने की जांच, सड़क सुरक्षा के नियम बताएं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस के द्वारा स्कूल वालों की जांच पड़ताल करके यातायात विभाग के नियमों के संबंध में जानकारी दी यातायात प्रभारी रितेश वाघेला ने बताया कि

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे , एस.डी.ओ.पी सिरोंज श्री मान उमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में लटेरी नाका - कॉन्वेंट स्कूल बस स्टैंड पर स्कूल वाहन

मैजिक वैन-ऑटो रिक्शा-बस जांच की इसके बाद वाहन चालकों को यातायात नियमों की प्रति जागरुक करते हुए उनके पालन के संबंध में समझाइश देते हुए कहा कि वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चे ना बैठाए, स्कूल वाहन में फॉस्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, पैनिक बटन लगा हो, वाहन संबंधी कागजात पूर्ण रखें, तेज गति से वाहन ना चलाए, किसी भी प्रकार का नशा ना करें, ऑटो रिक्शा मैजिक वैन में बच्चों की सुरक्षा के लिए जाली लगी हो इत्यादि यातायात नियमो के प्रति जागरूक किया।

नाबालिग बच्चों को रोक कर उनके पिता जी को बुलवाया गया और उन्हें समझाइश दी गई कि जीवन अनमोल है अपने बच्चों को जब तक ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बनता वाहन न चलाने दें, यदि कोई घटना दुर्घटना होती है तो बच्चे के माता पिता भी उसी घटना के लिए बराबर के भागीदार होंगे इसलिए यातायात नियमो का स्वयं भी पालन करें और अन्य को जागरूक करें।

लिंकरोड पर दो मोटरसाइकिल की हुई टक्कर

सिरोंज। यातायात पुलिस की अपील बाद भी अधिकांश वाहन चालक लापरवाही से वाहन चलने से बज रहे किसी का परिणाम है कि दुर्घटना रुकनें नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को दोपहर 2 के करीब लिंक रोड पर दो मोटरसाइकिलों की टक्कर होने से दोनों वाहन चालकों को तत्काल आसपास के दुकानदारों और वाहन चालकों उठाया इसके बाद दोनों वाहन चालकों ने एक दूसरे पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया काफी देर तक विवाद होता रहा।

यहां पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई थी इसके बाद लोगों ने इनके विवाद को शांत करवाया दोनों वाहन चालकों तथा इनके साथ बैठे लोगों को मामूली चोटे आई गनीमत रही कि पीछे से कोई बड़ा वाहन नहीं आ रहा था नहीं तो बड़ी जनहनि भी इस दुर्घटना के बाद ही सकती थी।

मौसम में हुआ बदलाव ठंड ग़ायब, किसान चिंतित

सिरोंज। विगत दो दिनों से अचानक मौसम बदलाव देखने को मिल रहा है। एकदम से सर्दी चली जाने से कृषकों की चिंताएं जरूर सातवें आसमान पर पहुंच गई हैं। अभी से ठंड चली गई तो इनकी फसलें भी बुरी से प्रभावित होगी उत्पादन में भरी गिरावट हो जाएगी बाद वाली फसलों में लागत निकालना मुश्किल हो जाएगा वाटर लेवल भी तेजी से नीचे गिरेगा ऐसा होने से कम दिनों में फसली आएगी तो किसानों की लागत निकालना भी मुश्किल अभी तो खेतों में हरी फसले लहरा रही है। तापमान में वृद्धि होने पर फसलें जल्द ही पककर तैयार हो जाएगी उत्पादन घटेगा तो नुकसान होगा। जिन किसानों ने अभी फसलें लगाने का काम किया है उनकी लागत भी नहीं निकल पाएगी किसानों का कहना है कि अभी 1 महीने और सर्दी पड़ेगी तभी फसलें अच्छी आएगी नहीं तो बहुत नुकसान होगा मौसम में बदलाव के बाद फसलों में रोग लगने की संभावनाएं बढ़ जाएगी मौसम में बदलाव के बाद ठंड जरूर पूरी तरह से चली गई है। 2 दिनों से बस बस सुबह शाम ही हल्की ठंड बची है।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति इटारसी
जिला - नर्मदापुरम (म०प्र०)

क्रमांक/ मंडी/स्टोर/ 2024-25 / 1475 इटारसी दिनांक 20/01/25

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

एतद् द्वारा समस्त फ्लेक्स / होर्डिंग्स का कार्य करने वाली संस्था / फर्म / प्रिंटिंग प्रेस को सूचित किया जाता है कि मंडी बोर्ड / मंडी द्वारा आवश्यक जानकारी के प्रदर्शन हेतु मंडी प्रांगण में आवश्यक सूचनार्थी के प्रसार हेतु फ्लेक्स,होर्डिंग्स संबंधी कार्य समय-समय पर करवाया जाता है।

अतः उक्त के संबंध में इच्छुक आपूर्तिकर्ता फ्लेक्स प्रिंटिंग / पेंटिंग/ होर्डिंग फ्रेम संबंधी अपनी निविद दर वर्ष 24-25 एवं 25-26 हेतु कार्यालयीन समय में स्टोर शाखा से निर्धारित निविदा फार्म 500/- राशि का भुगतान कर दिनांक 04/02/25 तक प्राप्त किये जा सकते है। निविदा फार्म (धरोहर राशि 10000/- डीडी / एफ०डी० संलग्न) दिनांक 07/02/25 तक जमा किये जा सकते है प्राप्त निविदा दिनांक 10/02/25 को समय 03.00 बजे खोले जावेंगे। नियत समय पर आप अथवा आप के प्रतिनिधी उपस्थित रहे।

नोट :- 01. कार्य संबंधी विवरण व शर्तो का अवलोकन कार्यालयीन समय में निर्धारित अवधि में किया जा सकता है।

सचिव कृषि उपज मंडी समिति इटारसी
जिला नर्मदापुरम

कोरल वुड्स रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल

(पंजीयन क्रमांक DRB/1438)

कोरल वुड्स क्लब हाउस, नर्मदापुरम रोड, मिसरोद, भोपाल

Date: 21/01/2025

वार्षिक साधारण सभा आयोजित करने की सूचना

संस्था के सभी सम्मानीय सदस्यों को सूचित किया जाता है की कोरल वुड्स रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल (पंजीयन क्रमांक DRB/1438) (CWEC के नाम से सम्बोधित) की वर्ष 2023-24 की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन दिनांक 04/02/2025 को क्लब हाउस में 3 बजे (3 PM) किया जायेगा। आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

बैठक का एजेंडा निम्नानुसार होगा

1. वित्त वर्ष 2023-24 के वित्तीय पत्रकों का अवलोकन एवं अनुमोदन
2. वित्त वर्ष 2024-25 के अनुमानित बजट का अवलोकन एवं अनुमोदन
3. संस्था सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर चर्चा तथा भविष्य की नीति निर्धारण

नोट: गणपूर्ति के अभाव में बैठक की कार्यवाही स्थगित कर आधे घंटे के पश्चात उसी दिनांक एवं स्थान पर पुनः प्रारम्भ की जावेगी, जिसमे गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

(सचिव, CWEC)

प्रतिलिपि: DRCS महोदय, सहकारिता विभाग, विंध्याचल भवन की ओर सूचनार्थ

5 मैचों की सीरीज का होगा पहला मुकाबला, शमी की 14 महीने बाद वापसी

भारत और इंग्लैंड का पहला टी-20 आज, कोलकाता में भिड़ेंगी दोनों टीमें

कोलकाता, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज का पहला पहला मुकाबला आज खेला जाएगा। दोनों टीमें 13 साल बाद कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में शाम 7 बजे भिड़ेंगी। आखिरी बार यहां दोनों टीमों का मुकाबला साल 2011 में हुआ था, तब इंग्लैंड को 6 विकेट से जीत मिली थी।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 54 फीसदी मैच जीते भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 मैच 2007 के वर्ल्ड कप में खेला गया था। 2007 से दोनों टीमों के बीच 24 टी-20 खेले गए। 54 फीसदी यानी 13 में भारत और 11 में इंग्लैंड को जीत मिली। भारत में दोनों टीमों ने 11 मैच खेले, यहां भी टीम इंडिया आगे है। टीम ने 6 और इंग्लैंड ने 5 मैच जीते।

इंग्लिश टीम ने भारत में इस फॉर्मेट की आखिरी सीरीज 14 साल पहले 2011 में जीती थी। वहीं अपने घर में इंग्लैंड को आखिरी सफलता 2014 में मिली थी। दोनों बार भारत के कप्तान एमएस धोनी थे। इसके बाद दोनों टीमों ने 4 टी-20 सीरीज खेलीं, सभी भारत ने जीतीं।

शमी की वापसी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की इस मैच से वापसी हो सकती है। वे 2023 के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल के 14 महीने बाद इंटरनेशनल मैच खेलेंगे। उन्होंने 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी मैच खेला था। सूर्या भारत के टॉप स्कोरर टी-20 में भारत के टॉप स्कोरर रोहित शर्मा हैं। उनके नाम 159 मैचों में 4231 रन हैं। वहीं दूसरे नंबर पर मौजूद विराट कोहली ने 125 मुकाबलों में 4188 रन बनाए हैं। हालांकि, इन दोनों खिलाड़ियों ने इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। तीसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं। जिन्होंने 78 मैचों में 2570 रन बनाए हैं।

बॉलिंग में युजवेंद्र चहल ने सबसे ज्यादा 96 विकेट लिए हैं, लेकिन वे इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। दूसरे नंबर पर अर्शदीप सिंह ने 95 विकेट लिए हैं। आज अर्शदीप 2 विकेट लेते ही चहल से आगे निकल जाएंगे। बटलर ने सबसे ज्यादा रन बनाए इंग्लैंड के व्हाइट बॉल कप्तान जोस बटलर टीम के टॉप रन स्कोरर हैं। उन्होंने 129 टी-20 में 3389 रन बनाए हैं। आदिल रशीद सबसे ज्यादा 126 विकेट लेने वाले इंग्लिश प्लेयर हैं। पिच रिपोर्ट ईडन गार्डन्स की पिच बैटिंग-फ्रेंडली है। ऐसे में यहां हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिल सकता है। मैच शाम को है तो ओस का भी महत्व बढ़ जाएगा। ओस की वजह से गेंदबाजों को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में टॉस जीतकर टीमें पहले गेंदबाजी करना पसंद कर सकती हैं। शुरुआत में यहां तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है।

यहां अब तक 11 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 5 और दूसरी पारी में बैटिंग करने वाली टीम ने 6 मुकाबले जीते हैं। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 201/5 है, जो पाकिस्तान ने 2016 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। वेदर रिपोर्ट बुधवार को कोलकाता को मौसम काफी अच्छा रहेगा। बारिश की बिल्कुल भी आशंका नहीं है। इस दिन यहां का तापमान 16 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

दोनों टीमें भारत की पॉसिबल प्लेइंग-11: सूर्यकुमार यादव (कप्तान),अक्षर पटेल (उपकप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद शमी।

इंग्लैंड की प्लेइंग-11: जोस बटलर (कप्तान), बेन डकेट, फिल साल्ट (विकेट कीपर), हैरी ब्रूक, लियम लिविंगस्टन, जैकब बेथेल, जैमी ओवरटन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद और मार्क वुड।

ज्वेरेव-जोकोविच का नॉकआउट 24 जनवरी को

नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

मेलबर्न, एजेंसी

नोवाक जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके हैं। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टेनिस के ओलिंपिक चैंपियन जोकोविच ने मेंस सिंगल्स में तीसरी सीड स्पेन के कार्लोस अल्काराज को 4 सेट तक चले मुकाबले में पिछड़ने के बाद हराया। मेलबर्न के रोड लेवर एरिना में दूसरी ओर जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी अपना क्वार्टर फाइनल जीत लिया।

पहला सेट हारने के बाद जीते जोकोविच 37 साल के जोकोविच ने पेरिस ओलिंपिक के गोल्ड मेडल मैच में भी अल्काराज को ही हराया था। जोकोविच के खिलाफ 21 साल के अल्काराज ने पहला सेट 6-4 से जीता। जोकोविच ने वापसी की और दूसरा सेट 6-4 के अंतर से ही अपने नाम कर लिया। जोकोविच ने अपना दबदबा कायम रखा और आखिरी 2 सेट 6-3, 6-4 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

ज्वेरेव ने दबदबा बनाते हुए जीत दर्ज की दूसरी सीड जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अमेरिका के टॉमी पॉल के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जीता। ज्वेरेव को शुरुआती 2 सेट जीतने में मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन उन्होंने 7-6, 7-6 के अंतर से दोनों सेट जीत लिए। पॉल ने वापसी की और तीसरा सेट 6-2 से अपने नाम किया। ज्वेरेव ने फिर कमबैक किया और चौथा सेट 6-1 के अंतर से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। ऑस्ट्रेलियन ओपन के मेंस सिंगल्स इवेंट में बेस्ट ऑफ 5 होता है। सबसे पहले 3 सेट जीतने वाला प्लेयर विजेता होता है।

जोकोविच के नाम 24 ग्रैंडस्लैम जोकोविच ने अपने करियर में 24 ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इनमें सबसे ज्यादा 10 बार उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन पर ही कब्जा किया। जोकोविच ने 7 बार विंबलडन का खिताब भी जीता है। वहीं उनके नाम 4 ओपन और 3 फ्रेंच ओपन के खिताब भी हैं। जोकोविच टेनिस में गोल्डन स्लैम जीतने वाले 13वें प्लेयर हैं। गोल्डन स्लैम यानी ओलिंपिक में गोल्ड समेत चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी।
जोकोविच टेनिस में गोल्डन स्लैम जीतने वाले 13वें प्लेयर हैं। गोल्डन स्लैम यानी ओलिंपिक में गोल्ड समेत चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी। अल्काराज कभी ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं जीते टेनिस के उभरते खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज 4 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। हालांकि, वे अब तक ऑस्ट्रेलियन ओपन पर कब्जा नहीं

जैद, जीतेन्द्र और पीयूष ने लगाया अर्धशतक, मंसूर का दोहरा प्रदर्शन

30वां डिजिआना-आईएएस इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट 2025

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के ओल्ड कैम्पियन मैदान पर भोपाल खेल पत्रकार संघ द्वारा आयोजित 30वें डिजिआना-आईईएस इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में न्यूज अटल प्रदेश और सुपर हीटर्स ने जीत दर्ज की। दिन के पहले मुकाबले में न्यूज अटल प्रदेश ने स्वदेश ज्योति के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 2 विकेट खोकर 155 रन बनाए। जैद ने 48 गेंद पर 69 और मंसूर ने 37 गेंद पर 40 रनों की पारी खेली। स्वदेश ज्योति की ओर से लोकेन्द्र ने एक विकेट लिए। जवाब में स्वदेश ज्योति की टीम 15.2 ओवर में 94 रन पर ढेर हो गई। गनी ने 21 और सार्थक ने 25 रनों की पारी खेली। न्यूज अटल प्रदेश की ओर से नवल ने 4 और मंसूर ने 3 विकेट लिए। मंसूर को मानसरोवर मैन आफ द मैच और जैद को आरएनटीयू वैल्यूवल प्लेयर का अवार्ड दिया गया। पुरस्कार जिला खेल अधिकारी जलज चतुर्वेदी ने बांटे। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में यूज लोकेटर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 183 रन बनाए। पीयुष चौधरी 50 और कप्तान फैसल मीर ने 35 रन बनाए। सुपर हीटर्स की ओर से सुमित शर्मा ने 4 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी सुपर हीटर्स की टीम ने इस लक्ष्य को 19.1 ओवर में 8 विकेट खोकर प्राप्त कर लिया। सुपर हीटर्स की ओर से जीतेन्द्र कुशवाहा ने 61 और जेपी ने 44 रनों की पारी खेली। यूज लोकेटर की ओर से कप्तान फैसल मीर ने 2 विकेट लिए।

होबार्ट हरिकैन्स 7 साल बाद बीबीएल फाइनल में पहुंची सिडनी सिक्सर्स को 12 रन से क्वालिफायर हराया

होबार्ट, एजेंसी

होबार्ट हरिकैन्स बिग बैश लीग के 14वें सीजन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने 7 साल बाद खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मंगलवार को होबार्ट ने क्वालिफायर में 3 बार की चैंपियन सिडनी सिक्सर्स को 12 रन से हरा दिया। पावरप्ले में 2 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज राइली मेरेडिथ प्लेयर ऑफ द मैच रहे। होबार्ट में पहले बैटिंग करते हुए टेबल टॉपर होम टीम ने 7 विकेट खोकर 173 रन बनाए। सिडनी ने शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने के बाद कमबैक किया, लेकिन टीम 5 विकेट खोकर 161 रन ही बना सकी। हरिकैन्स अब 27 जनवरी को होबार्ट में ही फाइनल खेलेगी।
होबार्ट की तेज शुरुआत बेलेरिव ओवल में सिडनी ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। होबार्ट को ओपनर मिचेल ओवन और कैलेब जेवेल ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने 4 ही ओवर में 47 रन की पार्टनरशिप कर ली। ओवेल 36 रन बनाकर आउट हुए, उनके बाद मैथ्यू वेड भी 4 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए। बेन मैक्डरमोट ने फिर जेवेल के साथ तीसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप की। जेवेल 40 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में मैक्डरमोट ने 42, टिम डेविड ने 25 और निखिल चौधरी ने 14 रन बनाकर स्कोर 173 रन तक पहुंचा दिया। सिडनी से बेन ड्वारशस और जैफर चोहान ने 2-2 विकेट लिए। 1-1 सफलता जैक एडवर्ड्स और मिचेल पेरी के हाथ लगी।
सिडनी की खराब शुरुआत 174 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी सिडनी सिक्सर्स की शुरुआत खराब रही। टीम ने 5 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। कप्तान मोइजेस हेनरिक्स 1 ही रन बना सके, वहीं जोश फिलिप और जैक एडवर्ड्स तो खाता भी नहीं खोल पाए। पावरप्ले में मेरेडिथ ने 2 और कैमरन गैनन ने 1 विकेट लिया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

परेश ने शादी की सालगिरह पर पत्नी स्वरूप को दी प्यारी सी बधाई

हेरा फेरी, ओह माई गॉड और हंगामा जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए मशहूर दिग्गज अभिनेता परेश रावल हाल ही में अपनी पत्नी, अभिनेत्री से लेखिका बनी डॉ. स्वरूप संपत रावल के समर्थन में सामने आए, जब उन्होंने अपनी नवीनतम पुस्तक, क्रिएटिव कनेक्ट- आर्ट एक्रॉस द करिकुलम का विमोचन किया। चेतना एजुकेशन लिमिटेड के सहयोग से बनी यह पुस्तक शिक्षा में कला को एकीकृत करने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और भविष्य के लिए युवा दिमागों को आकार देने के महत्व पर प्रकाश डालती है। स्वरूप, जिन्होंने प्रतिष्ठित टीवी शो ये जो है जिंदगी से अपने अभिनय की शुरुआत की, का टेलीविजन और फिल्मों दोनों में शानदार करियर रहा है। वह की एंड का, उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक और द व्हाइट टाइगर जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में दिखाई दी हैं, साथ ही एक लेखक और शिक्षिका के रूप में अपने काम के माध्यम से शिक्षा और बाल विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस कार्यक्रम में परेश रावल द्वारा चेतना एजुकेशन के ओटीटी प्लेटफॉर्म का भव्य उद्घाटन भी किया गया। परेश और स्वरूप की स्थायी साझेदारी प्यार, साथ और अटूट समर्थन का प्रमाण है, जो उन्हें इंडस्ट्री में सबसे प्रशंसित जोड़ों में से एक बनाता है।

ताहा शाह बदुशा ने पहले गाने 'वेखाननु' के साथ 2025 का टोन किया सेट

ताहा शाह, जो संगीत वीडियो और फिल्मों में अपने गतिशील प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी पहली म्यूजिक कोलैबोरेशन के लिए मेलोडियस तुलसी कुमार के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। दोनों ने आज एक मनमोहक पोस्टर के साथ इसकी घोषणा की, जिससे फैंस इस आगामी गाने के लिए उत्सुक हो गए हैं।पोस्टर में रोमांस की झलक देखने को मिलती है, जो एक प्रेम कहानी की ओर इशारा करता है, जो सोलफुल संगीत के साथ प्रस्तुत की जाएगी। ताहा और तुलसी की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री पोस्टर में स्पष्ट दिखाई दे रही है, क्योंकि वे एक गहन लेकिन रोमांटिक पल साझा करते नज़र आ रहे हैं, जो एक भावनात्मक कथा की ओर इशारा करता है। आगामी ट्रैक, जो 24 जनवरी 2024 को रिलीज़ होने वाला है, एक रोमांटिक सॉन्ग होने की उम्मीद है। ताहा की आकर्षक उपस्थिति और तुलसी की मेलोडियस आवाज के साथ, यह गाना दर्शकों को प्यार और लालसा की भावनात्मक यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। कई फिल्मों और लोकप्रिय शोज़ में अपनी प्रस्तुतियों से पहले ही दर्शकों को प्रभावित कर चुके ताहा इस शैली के लिए अजनबी नहीं हैं, और तुलसी कुमार के साथ उनकी जोड़ी को लेकर प्रशंसक उत्सुकता से भरे हुए हैं। सोशल मीडिया पर पहले ही उनकी केमिस्ट्री और गाने के पीछे की कहानी के बारे में भविष्यवाणियाँ की जा रही हैं।

उर्मिला बोलीं- रामगोपाल वर्मा ने मेरा करियर खराब नहीं किया, बल्कि नेपोटिज्म से बर्बाद हुआ

हाल ही में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'सत्या' री-रिलीज हुई है। इस मौके पर एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने रामू के साथ लड़ाई की खबरों को महज अफवाह बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि उनका करियर रामगोपाल के कारण नहीं, बल्कि नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ। उन्हें हमेशा ही आइटम गर्ल या फिर सेक्स साइरन के रूप में देखा गया।

उर्मिला मातोंडकर ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि कई बेहतरीन फिल्में करने के बाद भी 90 के दशक में मीडिया सिर्फ उनके लुक और उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात करती थी। लोगों को उनकी एक्टिंग के बजाय उनकी जिंदगी के हर पहलु में दिलचस्पी रहती थी। पिंजर, कौन, एक हसीना थी जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में

उर्मिला ने राम गोपाल वर्मा के साथ सत्या, जंगल, रंगीला और भूत जैसी फिल्मों में काम किया है। रंगीला बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही और इस फिल्म ने उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड में 'रंगीला गर्ल' के तौर स्थापित कर दिया। इंडस्ट्री में ऐसी अफवाह थी कि एक्ट्रेस का रामू के साथ अफेयर चल रहा है जिस वजह से वो उनकी हर फिल्म में होती हैं। हालांकि, एक समय पर दोनों के बीच लड़ाई की खबरें आने लगीं।

काम करने के बावजूद भी उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड सिर्फ एक आइटम गर्ल ही समझा गया। उर्मिला कहती हैं- इंडस्ट्री में सिर्फ एक आइटम गर्ल और सेक्स साइरन के तौर पर देखा जाता था। मैं इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखती थीं जिसका मुझे खामियाजा उठाना पड़ा था। सत्या की री-रिलीज के मौके पर उर्मिला मातोंडकर ने एक बार फिर डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा और एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ काम करने की इच्छा जताई है।

मेट्रो बाजार

2025 में 90 करोड़ भारतीय इंटरनेट यूजर्स हो सकते हैं

मुंबई, एजेंसी

भारत में इंटरनेट यूजर्स की तादाद लगातार तेजी से बढ़ रही है। इसमें खासकर ग्रामीण इलाकों से आने वाले यूजर्स शामिल हैं। इंटरनेट इन इंडिया के मुताबिक, भारत में 2025 के दौरान इंटरनेट यूजर्स की संख्या 90 करोड़ के पार हो सकती है। यह रिपोर्ट बताती है कि 2024 में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 88.6 करोड़ तक पहुंच गई थी। इंटरनेट का यह विस्तार डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। आइए इस रिपोर्ट के खास पहलुओं पर गहराई से नजर डालते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट यूजर शहरी क्षेत्रों की तुलना में तेजी से बढ़ रहे हैं। 2024 में भारत में 88.6 करोड़ एक्टिव इंटरनेट यूजर थे। इनमें से 48.8 करोड़ ग्रामीण इलाकों से थे। यह देश के कुल इंटरनेट यूजर्स का 55 प्रतिशत हिस्सा है। देश में इंटरनेट यूजर्स में से 47 प्रतिशत महिलाएं हैं। इस ट्रेंड से जाहिर होता है कि डिजिटल क्रांति अब सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों तक भी अपनी पहुंच बना रही है और वह भी हर वर्ग में। इंटरनेट यूजर हर दिन औसतन 90 मिनट इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इसमें शहरी यूजर थोड़ा ज्यादा समय (94 मिनट) तक इंटरनेट चलाते हैं। ग्रामीण यूजर्स (89 मिनट) इस मामले में उनसे थोड़ा पीछे हैं। लेकिन, यह आंकड़ा दिखाता है कि इंटरनेट अब दैनिक जीवन का जरूरी हिस्सा बन गया है, चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण क्षेत्र। भारत में ज्यादातर यूजर ओटीटी वीडियो और म्यूजिक कंटेंट के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में 90 से अधिक कारें-बाइक लॉन्च, 26 इलेक्ट्रिक कारों से पर्दा उठाया

नईदिल्ली,एजेंसी। आप को नई तकनीक से लैस कार, स्कूटी और बाइक पसंद है तो नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 आपका स्वागत कर रहा है। यहां ऑटोमोबाइल कंपिनयों ने ईवी, एलएनजी और ग्रीन हाइड्रोजन के साथ फ्लेक्स फ्यूल वाले वाहन और टेक्नोलॉजी अपनाने पर जोर दिया है। ऑटो एक्सपो में अब तक 90 से अधिक नई कारें, बाइक-स्कूटर, बस-ट्रक और थ्री-व्हीलर लॉन्च हुए हैं। कंपिनयों ने अब तक 26 नई इलेक्ट्रिक कारों से पर्दा उठाया है। इनमें बजट से लेकर सुपर लग्जरी ईवी शामिल हैं। हालांकि कंपिनयों का जोर लग्जरी और प्रीमियम इलेक्ट्रिक कारों पर है। साइकिल की तरह बाइक में भी पैडल मारकर रफ्तार हासिल की जा सकेगलएक्सपो में मोटोवोल्ट कंपनी ने ऐसी ही बाइक लॉन्च की है। इस बाइक में फुट रेस्ट की जगह विशेष रूप से पैडल लगाए हैं। बाइकर को जब रफ्तार चाहिए होगी तो वह एक्सीलेटर के साथ पैडल भी मार सकता है। कंपनी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह ई-बाइक जर्मन तकनीक से तैयार की गई है। यह एक बार चार्ज करने में 110 किमी तक चलेगी। सामान्य रूप से इस बाइक की स्पीड 100 किमी तक जा सकती है। वहीं, पैडल मारने पर स्पीड 140 से 150 तक पहुंच सकती है। लग्जरी कार मेकर लेक्सस ने 1000 किमी से अधिक रेंज वाली अपनी ऑल-इलेक्ट्रिक फ्यूचरिस्टिक कार एलएफ-जेडसी कॉन्सेप्ट कार से परदा उठाया। एआइ से लैस यह कार अमरीका-यूरोप में 2030 तक लॉन्च होने की उम्मीद है।

दंपति की नींद खुली तो घर में घुसा बदमाश भागा, खाने-पीने का सामान और जेवरात चोरी

भोपाल। गौतम नगर में रहने वाले एक दंपति की झुग्गी में रात के समय बदमाश घुस गया। खटपट की आवाज सुनकर दंपति की नींद खुली तो बदमाश मौके से भाग निकला। बाद में पता चला कि वह घर में रखा गैस सिलेडंर, मोबाइल फोन, जेवरात और खाने-पीने का सामान समेट ले गया है। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इधर एक सूने मकान से चोर जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गया। जानकारी के अनुसार लखन वर्मा (22) डीआईजी बंगला गौतम नगर स्थित इंद्रा सहायता नगर झुग्गीबस्ती में रहता है और मजदूरी करता है। बीती उन्नीस जनवरी की रात लखन और उसकी पत्नी चांदनी खाना खाने के बाद दरवाजा लगाकर सो गए। रात करीब डेढ़ बजे खटपट की आवाज सुनकर दोनों की नींद खुली तो एक लड़का झुग्गी से बाहर भागता हुआ नजर आया। उसके जाने के बाद दंपति ने जब सामान चैक किया तो अंदर रखा पांच लीटर वाला गैस सिलेंडर, आटे का पीपा, दो चांदी की चैन, दो मोबाइल फोन समेत अन्य सामान गायब था।

फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर की अश्लील पोस्ट

भोपाल। कटारा हिल्स पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अश्लील मैसेज भेजने और धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक 24 वर्षीय युवती दूसरे जिले की रहने वाली है। फिलहाल वह कटारा हिल्स इलाके में किराए से रहती है और कालेज में पढ़ती है। पिछले दिनों अज्ञात मोबाइल फोनधारक ने उसके नाम की एक फर्जी फेसबुक आईडी बनाई और अश्लील तथा आपत्तिजनक पोस्ट की। पोस्ट के माध्यम से अज्ञात व्यक्ति और युवती की आपस में शादी होने वाली है, इस प्रकार के मैसेज डाले गए थे। युवती ने जब संबंधित नंबर पर बात की तो युवक उसे बदनाम करने और जान से मारने की धमकी देने लगा। इस प्रकार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जागरूकता कार्यक्रम: वाहन चालकों को जागरूक करने सड़क पर उतरे ट्रैफिक डीसीपी

भोपाल। राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार और पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर भोपाल पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह के तहत डीसीपी ट्रैफिक संजय कुमार सिंह खुद भी सड़कों पर उतरे हैं और वाहनों चालकों को यातायात नियमों की पालन करने की अपील कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक एसीपी विजय दुबे और अन्य अधिकारियों के साथ पंपलेट्स और पोस्टर बांटकर लोगों को जागरूक किया। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत नेहरू युवा केंद, एनएसएस के वालेंटियर्स और यातायात पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान रोशनपुरा चौराहे से रंगमहल चौराहे तक रैली निकाली गई।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। रातीबड़ इलाके में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मर्ग जांच के बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस के मुताबिक मुकेश कामले (25) ग्राम आमला रातीबड़ स्थित खारी जोड़ के पास रहता था और खेती किसानी करता था। सोमवार की शाम को उसने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। मृतक अविवाहित था, जबकि उसके दो बड़े भाई अलग रहते हैं। फिलहाल फांसी लगाने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया ह

खेलते समय गर्म तेल की कढ़ाई में गिरा दो साल का मासूम, मौत

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित संस्कार मैरिज गार्डन में गर्म तेल की कढ़ाई में गिरने से दो साल के मासूम की मौत हो गई। हादसा सोमवार रात करीब 11 बजे रात का है। मासूम के परिजन उसे शादी में लेकर पहुंचे थे, वहां बच्चा खेलते समय किचन एरिये तक पहुंच गया और वहां रखी गर्म कढ़ाई में गिर गया। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। सिर के नीचे का करीब पचास फीसदी हिस्सा झुलसने के कारण उसकी मौत हो गई।

बड़े तालाब से युवक का शव बरामद

भोपाल। श्यामला हिल्स पुलिस ने मंगलवार सुबह बड़े तालाब स्थित शीतल दास की बगिया के पास एक अज्ञात युवक की लाश बरामद की। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष बताई गई है। वह आसमानी रंग की टीशर्ट और ग्रीन कलर का लोवर पहने हुए था। पुलिस का कहना है कि युवक राजाभोज प्रतिमा के आसपास तालाब में कूदा होगा, जो लहरों के सहारे शीतलदास की बगिया की तरफ पहुंच गया था। तालाब पर मौजूद गोताखोरों ने सुबह करीब साढ़े नौ बजे लाश देखने के बाद पुलिस को सूचना दी थी। उसके बाद पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और मर्ग कायम कर पीएम के लिए भेज दिया।

घर में घुसकर किशोरी के साथ छेड़छाड़

भोपाल। शाहपुरा में रहने वाली एक किशोरी के साथ पड़ोसी युवक ने घर में घुसकर अश्लील हरकत कर दी और विरोध करने पर जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी दसवीं कक्षा में पढ़ती है। परिवार में मां और भाई है। सोमवार की रात किशोरी घर पर अकेली थी। उसकी मां चाची के घर गई थी, जबकि भाई दोस्त के साथ गया हुआ था। रात करीब साढ़े दस बजे मोहल्ले में रहने वाला मनोज कुशवाह नामक युवक घर के अंदर घुस गया और किशोरी के अकेला पाकर उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता के शोर मचाने पर वह उसे जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने लगा। किशोरी का शोर सुनकर मनोज की पत्नी मौके पर पहुंची और उसका हाथ पकड़कर अपने साथ ले गई।

बाइक समेत कुल 7 लाख का माल बरामद

19 मोबाइल फोन के साथ कुख्यात लुटेरे गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर पुलिस ने एक नाबालिग समेत 2 कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटे गए कुल 19 मोबाइल फोन जब्त किये हैं। आरोपियों के कब्जे से वारदात में उपयोग की गई एक बाइक भी बरामद की गई है। जब्त हुए माल की कुल कीमत 7 लाख रुपये बताई गई है। प्रारंभिक पूछताछ में बदमाश ने शहर के विभिन्न इलाकों में मोबाइल लूटने की वारादातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। डीसीपी जोन क्रमांक-2 संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि फरियादी विक्रम सिंह वर्मा (42) राजीव नगर ए-सेक्टर में रहते हैं। बीती 19 जनवरी की रात करीब नौ बजे वह क्वीनमेरी स्कूल के पास टहल रहे थे, तभी मोटर सायकिल सवार दो बदमाशों ने अचानक उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और भाग निकले। इस घटना के करीब दो घंटे बाद एमपी नगर थानांतर्गत चेतक ब्रिज के पास विकास नगर गोविंदपुरा निवासी लक्ष्मण पांचोले (55) के साथ भी मोबाइल लूट की वारदात हुई थी। दोनों ही मामलों में पुलिस ने झपटमारी के केस दर्ज किए थे। इन घटनाओं को देखते हुए लुटेरों की तलाश में एडिशनल डीसीपी महावीर मुजाल्दे के पर्यवेक्षण एवं एसीपी अक्षय चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अयोध्यानगर महेश लिल्हारे के नेतृत्व में एक विशेष

टीम गठित की गई थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल और मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखने तथा मुखबिरों की मदद से दो संदेहियों को हिरासत में लिया। लूटे गए 19 मोबाइल फोन बरामद पुलिस ने इस मामले में संदेही साहिल लाला (24) निवासी काजीकैंप हनुमानगंज और एक एक नाबालिग लड़के निवासी बिस्मिल्लाह कालोनी ऐशबाग को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर दोनों ने साथ मिलकर शहर के विभिन्न इलाकों में मोबाइल फोन लूटना स्वीकार किया। उसके बाद पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर एक रेमडी और एक ओप्पो कंपनी समेत विभिन्न कंपनियों के कुल 19 मोबाइल फोन और वारदात में उपयोग की गई बाइक जब्त कर ली। जब्त हुए कुल माल की कीमत करीब 7 लाख रुपए बताई गई है। पहले से दर्ज हैं आपराधिक मामले डीसीपी अग्रवाल नेट बताया कि आरोपी साहिल कबाड़े का काम करता है। उसके खिलाफ आधा दर्जन से ज्यादा अपराध पहले से दर्ज हैं। हाल ही में शाहजहांनाबाद पुलिस ने उसे आर्म्स एक्ट और चोरी के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जमानत पर बाहर आने के बाद वह नाबालिग के साथ लूटपाट करने लगा था। आरोपियों को गिरफ्तार करने में टीआई अयोध्या नगर महेश लिल्हारे, एसआई सुदील देशमुख, एएसआई मनोज सिंह कछवाह, हेड कांस्टेबल अमित व्यास, बृजेश सिंह, रूपेश सिंह जादौन, सुदीप राजपूत, मनोज जाट, आरक्षक मनमोहन मेहरा, नीरज साहू, जितेन्द्र उच्चारिया, दीपक आचार्य तथा आकाश भास्कर की सराहनीय भूमिका रही है।

वाहन चोरी करने वाले 2 शातिर गिरफ्तार, 5 वाहन बरामद

भोपाल। अवधपुरी पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 2 शातिर बदमाशों को गिरफ्फ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 3 लाख रुपए कीमत के कुल 5 वाहन बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ भोपाल के अलावा मंडीदीप, धार, खंडवा समेत अन्य जिलों में भी आपराधिक मामले हैं। एक आरोपी मजदूरी जबकि दूसरा सिक्योरिटी गार्ड का काम करता है। डीसीपी जोन क्रमांक-2 ने बताया कि अवधपुरी इलाके में होने वाली वाहन चोरी की घटनाओं को रोकने और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि नक्षत्र इन्क्लेव के आगे जंगल की तरफ दो लड़के एक प्लेटिना मोटर सायकिल सस्ते दामों पर बेचने की कोशिश कर रही है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों को हिरासत में लिया। पूछताच करने पर उन्होंने अपने नाम महेश तनवा (40) निवासी विकास नगर झुग्गीबस्ती थाना गोविंदपुरा और भागवत आचार्य (35) निवासी नया हरसूद जिला खंडवा हाल पता अवध गार्डन, दीपनगर अवधपुरी बताया। उनके पास मौजूद प्लेटिना बाइक के बारे में पूछने पर बताया कि करीब दस दिन पहले पूर्वांचल फेस-वन, बीडीए रोड अवधपुरी से चोरी की थी, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। चोरी की 4 और बाइक बरामद पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने उनके कब्जे से होंडा साईन, हीरो पैशन, हीरो होंडा और एक स्कूटर और मिली। दोनों आरोपियों से जब्त हुए कुल पांच वाहनों की कीमत करीब 3 लाख रुपए बताई गई है। थाना प्रभारी रतन सिंह परिहार ने बताया कि आरोपी महेश के खिलाफ चोरी और नकबजनी समेत करीब 19 अपराध पहले से दर्ज हैं, जबकि भागवत के खिलाफ भोपाल और खंडवा में चार अपराध दर्ज हैं। आरोपियों द्वारा भोपाल के अलावा दूसरे जिलों में भी वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है।

मदद में धोखा, एक्सीडेंट में बेसुध युवक की बाइक चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नजीराबाद इलाके में एक्सीडेंट के दौरान बेसुध हुए एक युवक की बाइक चोरी का मामला सामने आया है। तलाश करने के बाद भी जब बाइक नहीं मिली तो पीड़ित ने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। कई अन्य स्थानों से भी बदमाश दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए हैं। जानकारी के अनुसार विनोद अहिरवार (27) ग्राम सोचना, थाना मुरवास जिला विदिशा का रहने वाला है और खेती किसानी करता है। बीती 15 जनवरी को वह नजीराबाद स्थित ग्राम कोलूखेड़ी दुर्गा मंदिर में दर्शन करने गया था। शाम करीब साढ़े सात बजे वह मंदिर में दर्शन करने के बाद अपने घर लौट रहा था। ग्राम कोलूखेड़ी पुलिया के पास अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई, जिससे वह बाइक समेत सड़क किनारे गिर पड़ा। गिरने के कारण उसे चक्कर आ गया तो राहगीरों ने उसे उठाकर सड़क किनारे बिठाया और उसकी बाइक वहीं पर पड़ी रही। कुछ देर बाद होश आने पर वह घटनास्थल के पास पहुंचा तो बाइक नहीं मिली। आसपास के इलाके में तलाश करने के बाद भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो सोमवार को विनोद ने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

उ;धर मंगलवारा पुलिस ने बताया कि वर्धमान ग्रीन पार्क कालोनी अशोका गार्डन में रहने वाले अखिल श्रीवास्तव भारत टाकीज ब्रिज के नीचे टाईल्स की दुकान चलाते हैं। बीती सोलह जनवरी को उन्होंने अपनी स्कूटर दुकान के पास लॉक करके खड़ी की थी। दुकान बंद कर घर जाते समय देखा तो उनकी स्कूटर गायब हो चुकी थी। उसके बाद वह परिवार के साथ कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज चले गए थे। वापस लौटने के बाद थाने जाकर स्कूटर चोर की रिपोर्ट दर्ज कराई।

कोहेफिजा पुलिस ने बताया कि शिवशक्ति नगर में रहने वाले अमर सिंह बोरिले एक शापिंग मॉल में सेल्समैन का काम करते हैं। बीती 19 जनवरी की रात वह एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हलालपुरा स्थित स्वागत गार्डन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी बाइक गार्डन की पार्किंग में खड़ी की और अंदर चले गए। रात करीब पौने ग्यारह बजे बाइक उठाने के लिए पार्किंग में पहुंचे तो बाइक चोरी हो चुकी थी।

कलेक्टर कार्यालय के गेट पर हंगामा गाड़ी में आग, आत्मदाह का प्रयास

युवक ने खुद पर पेट्रोल डालने का किया प्रयास कलेक्टर कार्यालय की सुरक्षा पर उठे सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में पहुंचे एक परिवार ने अपनी ही कार में आग लगा दी, जिससे वहां आसपास अफरा-तफरी मच गई। आग लगाने के दौरान परिवार के तीन लोग गाड़ी के अंदर बैठे हुए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकल ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब गाड़ी जलकर खाक हो गयी थी। पीड़ित परिवार की आरोप है कि कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। इधर आग लगाने की इस घटना ने कलेक्टर कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने जल्द ही उचित कार्रवाई का आवश्वासन दिया है। आग लगाने वाले व्यक्ति को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार तहसील ग्राम नाथू बरखेड़ा, तहसील हुजूर में रहने वाली शक्कर बाई का परिवार अपनी जमीन को लेकर परेशान चल रहा है। मंगलवार को शक्कर बाई के बेटे होतम सिंह समेत अन्य लोग जनसुनवाई में आवेदन लेकर पहुंचे थे। उन्होंने अपनी टाटा सूमो कलेक्टर कार्यालय के गेट की सीढ़ियों के पास खड़ी खी। वह गाड़ी में भूसा करकर ले गए और पेट्रोल भी साथ लाए थे। दोपहर के समय एक युवक ने गाड़ी में पेट्रोल छिड़का आग लगा दी, जिससे कुछ ही पलों में गाड़ी धू-धूकर जलने लगी। आग की लपटें देख कार्यालय में मौजूद लोगों ने अग्निशमन यंत्रों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। करीब 20 मिनट बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकल ने आग पर काबू पाया, लेकिन उसके पहले गाड़ी जलकर खात हो गई थी। युवक ने किया खुद पर पेट्रोल डालने का प्रयास टाटा सूमों में आग शक्कर बाई के बेटे होतम सिंह ने लगाई थी। इस दौरान परिवार के एक युवक ने खुद पर भी पेट्रोल डालने का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे बचा दिया। इस दौरान दूसरा युवक गाड़ी के बोनट पर चढ़कर हंगामा करने लगा, जिसे पुलिस के जवानों ने नीचे उतारा। जनसुनवाई कार्यक्रम के चलते मंगलवार को पुलिस कर्मचारी पहले से मौजूद थे, लेकिन आगजनी की इस घटना ने कलेक्टर कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। यह है पूरा मामला कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि नाथू बरखेड़ा में रहने वाली शुक्कर बाई की 13 एकड़ जमीन का सौदा वर्ष 2010 में शैलेंद्र पटेल के साथ हुआ था, लेकिन रजिस्ट्री नहीं हुई थी। इसको लेकर शैलेंद्र ने सिविल कोर्ट में केस लगाया तो फैसला शक्कर बाई के पक्ष में हुआ।

मेट्रो एंकर पोक्सो एक्ट पर कार्यशाला

संवेदनशीलता और समन्वय की पहल, अफसरों ने रखे अपने विचार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस के अपराध अनुसंधान विभाग द्वारा पुलिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (पीटीआरआई), जहांगीराबाद में विक्टिम सपोर्ट इनिशिएटिव अंडर पोक्सो एक्ट पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सीआईडी पवन श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में पीएसओ टू डीजीपी विनीत कपूर, प्रिंसिपल जज श्रुति जैन, संयुक्त संचालक महिला बाल विकास विभाग अमिताभ अवस्थी, एआईजी सीआईडी धनंजय शाह, एसजेपीयू पांचों जिलों के प्रभारी, महिला सेल के डीएसपी/नोडल अधिकारी, जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य और इंदौर, भोपाल, जबलपुर, कटनी, उज्जैन व ग्वालियर से सीआरपीसी से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही लोक अभियोजन विभाग के प्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक निदेशक और न्यायालय से संबंधित अन्य विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

विक्टिम सपोर्ट प्रोग्राम के लिए काम करने वाली तीन प्रमुख गैर सरकारी संस्थाओं में आवास से प्रशांत दुबे, सीएसए से दीपेश चौकसे और आईआरएमई से अर्चना सहाय के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। आभार

प्रदर्शन एआईजी आदित्य प्रताप सिंह ने किया। नाबालिगों की रक्षा करता है पोक्सो पोक्सो एक्ट, जो 19 जून 2012 को लागू हुआ, बच्चों को यौन शोषण, उत्पीडऩ और अश्लीलता जैसे अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यह एक्ट नाबालिगों (18 वर्ष से कम आयु के बच्चों) के अधिकारों की रक्षा करता है और यौन अपराधों के मामलों में तेज और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करता है। कार्यशाला में एडीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव ने स्लमडॉग मिलियनेयर फिल्म का जिक्र करते हुऐ बताया कि कैसे कठिन परिस्थितियों और संघर्षों से प्रेरणा लेकर बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। यह जीवन में चुनौतियों का साहस से सामना करने का संदेश देती है।

उन्होंने न्याय प्रणाली में सुधार पर चर्चा करते हुए नए कानूनों के तहत चार्जशीट 60 दिनों में दाखिल करने और लंबित मामलों को तीन वर्षों में निपटाने संबंधी जानकारी दी। साथ ही कहा कि तकनीकी सुधारों से जांच अधिकारी डिजिटल माध्यम से पेश हो सकते हैं, जिससे समय और संसाधन बचेंगे। यह सुधार न्याय प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक कदम है। पॉक्सो एक्ट के तहत पीड़ित बच्चों को कानूनी, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के उपायों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सभी पूरी संवेदनशीलता और समन्वय से कार्य करें तथा हर माह एक सफलता की कहानी उपलब्ध कराएं ताकि व्यापक जनजागृति लाई जा सके। अजीम प्रेमजी फाउंडेसन की सराहना कार्यशाला को संबोधित करते हुए पीएसओ टू डीजीपी विनीत कपूर ने कहा कि कानूनी प्रक्रियाओं के दौरान अक्सर बच्चों को एक कठिन उपसंस्कृति से गुजरना पड़ता है, जिससे उनका पुन~पीडऩ होता है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम विवेचना को प्रभावी और संवेदनशील बनाएं ताकि बच्चों को सहयोग और संरक्षण मिले। उन्होंने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और अन्य संस्थानों द्वारा संचालित पायलट प्रोजेक्ट की सराहना की, जो भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और कटनी जिलों में सपोर्ट पर्सन्स के लिए एकीकृत रणनीति के तहत कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा, सपोर्ट पर्सन्स की सहायता से बाल पीड़ितों को बेहतर सहयोग मिलेगा, जिससे उनकी पुनर्वास प्रक्रिया में सुधार होगा। प्रतिभागियों ने झासा किये अनुभव इस कार्यशाला में मेडिकल परीक्षण और रिपोर्टिंग में आने वाली चुनौतियों को हल करने, बच्चों के मानवाधिकारों का सम्मान करते हुए उन्हें न्याय दिलाने और विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। यह कार्यशाला मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा बच्चों के सर्वोत्तम हितों की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022